अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 263 | लखनऊ, रविवार, 12 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

उप्र में तीन आईपीएस अधिकारियों का तबादला, देवरिया के एसपी पुलिस मुख्यालय भेजे गए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को तीन आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। इनमें दो जिलों के पुलिस कप्तान भी शामिल हैं। पुलिस मुख्यालय से जारी सूची के मुताबिक, 2014 बैच के आईपीएस संजीव सुमन को देवरिया पुलिस कप्तान के पद से हटाकर उन्हें पुलिस मुख्यालय लखनऊ से सम्बद्ध किया गया है। उनकी जगह पर अम्बेडकरनगर के पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर को देवरिया का नया पुलिस कप्तान बनाया गया है। वहीं, प्राची सिंह को सेना नायक 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ से हटाते हुए अम्बेडकर नगर का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

मथुरा नाव हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई, सात अभी भी लापता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में युमना नदी में मोटर बोट पलटने से हुए हादसे के बाद राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और अन्य बचाव दल युद्धस्तर पर लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं। इस बीच शनिवार को एक और युवक का शव बरामद किया गया है। इससे इस हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो चुकी है, जबकि सात लोग अभी लापता हैं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने शनिवार दोपहर को रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम चैरिटेबल अस्पताल पहुंचकर यहां भर्ती घायलों का कुशलक्षेम जाना। उन्होंने चिकित्सकों को घायलों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रशासन ने नदी से निकाले गए 10 लोगों के शव को पंजाब भिजवा दिया है।

महाकुंभ वायरल गर्ल मामला: जन्म प्रमाण पत्र निरस्त, नाबालिग की तलाश में जुटी पुलिस

खरगोन। चर्चित महाकुंभ वायरल गर्ल मामले में खरगोन जिले की महेश्वर नगर परिषद ने बड़ा कदम उठाते हुए किशोरी का पूर्व में जारी जन्म प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया है। वहीं, अपहरण का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी है। महेश्वर नगर परिषद के प्रभारी सीएमओ प्रियंक पंड्या ने बताया कि किशोरी की मां ने 30 मई 2025 को शपथ पत्र प्रस्तुत कर उसकी जन्म तिथि 1 जनवरी 2008 बताई थी। इस आधार पर तहसीलदार राकेश ससत्या के आदेश पर 5 जून 2025 को नगर परिषद द्वारा इसी तिथि का जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया था। उन्होंने आगे बताया कि अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, महेश्वर के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर की रिपोर्ट में सामने आया है कि किशोरी का वास्तविक जन्म 30 दिसंबर 2009 को अस्पताल में हुआ था।

थारू समाज के लोगों पर दर्ज मुकदमे वापस लेगी सरकार : मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सीएम योगी ने लखीमपुर खीरी को दी 817 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखीमपुर खीरी के लोगों को बड़ी सौगात दी। महात्मा ज्योतिबा फुले व महाराणा सांगा के जन्मदिवस के एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जनपद में माफिया पालने वाली पेशेवर अपराधियों की सरकार महाराणा प्रताप व महाराणा सांगा के वंशजों पर अत्याचार और झूठे मुकदमे दर्ज करती थी। संघर्ष करने वाले थारू समाज के जिन लोगों पर सपा सरकार ने मुकदमे दर्ज किए थे, हमारी सरकार उन सारे मुकदमों को वापस लेगी। अब आप पर कोई अत्याचार नहीं कर पाएगा, क्योंकि डबल इंजन सरकार साथ खड़ी है और आपके संघर्ष को सम्मान दे रही है। इसके साथ ही सीएम ने फिर चेताया कि माफिया बनने का प्रयास करने वाले मिट्टी में मिलने की तैयारी भी कर लें। सरकार किसी माफिया को पनपने, गरीबों का हक छीनने और नौजवानों की नौकरी पर डकैती नहीं डालने देगी।

मुख्यमंत्री ने चंदन चौकी (पलिया) में आयोजित कार्यक्रम में नदियों द्वारा भूमि क्षरण से प्रभावित पूर्वी उत्तर प्रदेश के 2350 परिवारों व थारू जनजाति के 4356 परिवारों को भौमिक अधिकार पट्टों का आवंटन किया और पलिया, श्रीनगर, निघासन व गोला गोकर्णनाथ विधानसभा क्षेत्रों की 817 करोड़ रुपये की 314 विकास परियोजनाओं का

लोकार्पण/शिलान्यास किया। सीएम ने थारू जनजाति के कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुति देखी और अपनी संस्कृति को बचाकर रखने के लिए उनकी सराहना भी की।

दशकों की अधूरी यात्रा आज पूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी उप्र के स्वाधीनता संग्राम सेनानियों के आश्रितों को यहां बसाया गया था। आपकी तीन-तीन पीढ़ियां चली गईं, लेकिन कभी हक नहीं मिल पाया। दशकों की अधूरी यात्रा आज पुनर्वास कार्यक्रम के साथ बढ़ रही है। उन्होंने कहा चंदन चौकी इस जनपद का गौरव है। यहां वनवासी संस्कृति की जड़ें, स्वाभिमान और तराई की उर्वरता साथ फलती-फूलती है। चंदन चौकी व आसपास दर्जनों थारू बाहुल्य गांव हैं, जो पहचान के लिए मोहताज थे। कभी वन, पुलिस व राजस्व विभाग द्वारा उन्हें प्रताड़ित किया जाता था। शौर्य व वीरता के साथ अपने इतिहास को जोड़ने वाला थारू समाज पहले पहचान के लिए मोहताज था, लेकिन आज उसे अधिकार पत्र मिल रहा है और यही डबल इंजन सरकार की ताकत और स्पीड है।

आजादी में योगदान देने वाले भी अधिकार से रहे वंचित

सीएम योगी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए लोगों ने देश की आजादी के लिए सब कुछ खोया। ब्रिटिशरों ने इन्हें यातनाएं (काला पानी, देशनिकाला, फंासी) दीं। आजादी के बाद तत्कालीन सरकार ने उन्हें बसाया तो, लेकिन जमीन का हक उपलब्ध नहीं कराया। देश की आजादी में योगदान देने वाले लोग आजाद भारत में अपने अधिकार से वंचित थे। 1976 में थारू समाज को इन गांवों में जमीन देने की बात कही गई थी, लेकिन उन्हें जमीन का स्वामित्व नहीं मिला। 1955 में पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को भी मालिकाना हक नहीं मिल पाया।

सीएम के हाथों सम्मानित हुए विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी

चंदन चौकी (पलिया) में आयोजित कार्यक्रम में योगी ने विभिन्न लाभार्थियों को भी अपने हाथ से नियुक्ति पत्र, आवास की चाबी व चेक सौंपे। सीएम योगी के हाथों भौमिक अधिकार पत्र प्राप्त करने वालों में बालकृष्ण, रामखेलावन, भज्जीराम, रामनरेश व रामकुमार शामिल रहे। आंगनवाड़ी भर्ती के तहत ऊषा देवी (ध्यानपुर), संध्या कुमारी (पुरैना) तथा मीना कुमारी (सूरमा) को मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत ध्यानपुर की बल्लू देवी, शीतल व बेबी को अपने आवास की चाबी मिली।एक जिला-एक उत्पाद के तहत लाभार्थी अंशु गुप्ता, शिव गुप्ता व संस्कार अग्रवाल को चेक प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत कुंवर सेन, अमित जिंदल व रामचंद्र को भी चेक प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने नाबार्ड द्वारा संचालित योजना के तहत पूनम विश्वकर्मा को चेक प्रदान किया। समारोह में आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, वन व पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, विधायक हरविंदर साहनी 'रोमी', मंजू त्यागी, अमन गिरि, शशांक वर्मा, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

एक दिन में 51.5 लाख एलपीजी सिलेंडर किए गए डिलीवर

- पश्चिम एशिया संकट के बीच 8.7 लाख भारतीय स्वदेश लौटे : सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सरकार ने शनिवार को कहा कि भारत की ईंधन आपूर्ति और समुद्री परिचालन समान्य है। केंद्र सरकार ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। सरकार ने कहा कि कल 51.5 लाख से अधिक सिलेंडर वितरित किए गए हैं और 8.7 लाख भारतीय स्वदेश लौटे हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया, ''घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी सामान्य बनी हुई है, जबकि 10 अप्रैल को ही ''51.5 लाख से ज्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडरों'' की डिलीवरी की गई, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास के घटनाक्रमों के कारण सप्लाई चेन पर दबाव बना हुआ है।'' मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने बिना किसी रुकावट के सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें ''घरेलू एलपीजी और पीएनजी की सप्लाई को प्राथमिकता दी गई है, इसके साथ ही अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को भी उच्च प्राथमिकता दी है।'' मंत्रालय ने यह भी कहा कि ''एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स पर स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है,'' जिससे पता चलता है कि पूरे देश में सप्लाई स्थिर है। मंत्रालय ने कहा कि ''पूरे उद्योग में ऑनलाइन एलपीजी की बुकिंग बढ़कर लगभग 98 फीसदी हो गई है,'' जबकि ''गैस के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) पर आधारित डिलीवरी बढ़कर लगभग 93 फीसदी हो गई है।

घुसपैठियों को छोड़ना होगा बंगाल : प्रधानमंत्री

- बंगाल चुनाव-2026: कटवा रैली में प्रधानमंत्री का सीएए लागू करने और घुसपैठ रोकने का वादा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कटवा में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए नागरिकता, घुसपैठ और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जैसे मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का स्पष्ट रुख सामने रखा। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के

तहत नागरिकता देने की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा, विशेषकर मतुआ और नामशूद्र शरणार्थी परिवारों के लिए।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की सरकार लोगों में भय का माहौल बना रही है, जबकि केंद्र सरकार का उद्देश्य शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करना है। उन्होंने कहा, ऌमतुआ और नामशूद्र समाज के लोग संविधान के संरक्षण में हैं और उन्हें उनका अधिकार जरूर मिलेगा।ङ्क

दक्षिण बंगाल में प्रभाव रखने वाले मतुआ समुदाय का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार बनने पर सभी पात्र आवेदकों को शीघ्र नागरिकता दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा ऌघुसपैठियों को अब अपना सामान बांध लेना चाहिए, भाजपा सरकार बनने पर उन्हें राज्य छोड़ना होगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल में भय और असुरक्षा का वातावरण बना है। उन्होंने इसे ऌतृणमूल के डरङ्क का शासन बताते हुए कहा कि यह चुनाव उस माहौल को समाप्त करने का अवसर है।

भाजपा के एजेंडे को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्ता में आने पर तृणमूल सरकार के भ्रष्टाचार पर श्वेतपत्र जारी किया जाएगा और राजनीतिक हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आलू किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुए राज्य सरकार की नीतियों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया।

भारत किसी भी चुनौती से निपटने में सक्षम : राजनाथ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचे। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल व महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी समेत पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद रक्षामंत्री गोमती नगर (लखनऊ) जनकल्याण महासमिति के वार्षिकोत्सव में शामिल हुए।

कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी भी चुनौती से निपटने में भारत सक्षम है। भाजपा सरकार के रहते कोई भी संकट देश में आने वाला नहीं

है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में पेट्रोल, डीजल और गैस का पर्याप्त भंडार है इसलिए किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बाद उत्पन्न हालात से कोई देश अछूता नहीं है लेकिन भारत ने उन चुनौतियों पर विजय पाने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है।

राजनाथ ने कहा कि मुझे यह देखकर भी बड़ी खुशी होती है कि हमारा लखनऊ रक्षा क्षेत्र में भी बढ़-चढ़ कर योगदान दे रहा है। यह लखनऊ के लिए गर्व की बात है कि इसे आगरा और कानपुर के साथ डिफेंस नोड घोषित किया गया। अब लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का विनिर्माण भी शुरू हो चुका है। गर्व की बात यह है कि इसकी पहली खेप हमारी सेना को सौंप भी दी गई है। इसके साथ ही रक्षा उपकरणों से जुड़े कई और छोटे-बड़े कारखाने भी यहां स्थापित हो रहे हैं। लखनऊ का विकास, बेहद सुनियोजित योजना के तहत चल रहा है। यह विकास की गंगा है जिसकी धारा में, गरीब का, व्यापारी का, बुजुर्ग का और नौजवान का, सबका कल्याण समाया है। हमारा निरंतर प्रयास रहेगा कि लखनऊ वासियों का रहन-सहन सुख-सुविधाओं से सम्पन्न और परिपूर्ण रहे।

बंगाल चुनाव-2026: भाजपा की सरकार बनी तो 'सिंडिकेट राज' खत्म करेंगे : अमित शाह

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के ओंडा-विष्णुपुर क्षेत्र में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने ऌसिंडिकेट राजङ्क, भ्रष्टाचार और घुसपैठ जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए दावा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर इन समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए अमित

शाह ने कहा कि राज्य में हर स्तर पर सिंडिकेट का प्रभाव है। चाहे वह निर्माण कार्य हो या रोजमर्रा की जरूरतें। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनता से 23 अप्रैल को कमल के निशान पर वोट देने की अपील करते हुए कहा ऌप्रचंड बहुमत से भाजपा को जिताइए, हम बंगाल से सिंडिकेट राज को समाप्त कर देंगे।

अमित शाह ने बांकुड़ा क्षेत्र के विकास को लेकर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस इलाके की उपेक्षा हुई है, जिसके कारण युवाओं को रोजगार की तलाश में पलायन करना पड़ा। साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।

जयपुर में अखिलेश यादव का भाजपा पर तीखा हमला, कहा-'पीडीए करेगा शुद्धिकरण'

एजेंसी

जयपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को जयपुर दौरे के दौरान भारतीय जनता पार्टी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला बोला। वहीं नीतीश कुमार को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि वे उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते थे लेकिन भाजपा ने उन्हें राज्यसभा सदस्य बनाकर उनके साथ 'धोखा' किया है। उन्होंने इसे एक राजनीतिक षड्यंत्र बताया।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा

कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) भाजपा का शुद्धिकरण करेगा। अखिलेश यादव ने व्यंग्यात्मक अंदाज में योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बिना उनकी कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो दूसरों से प्रमाण पत्र मांगते हैं, उनके पास खुद का प्रमाण पत्र नहीं है। शंकराचार्य को मिली धमकियों के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि उनके विचार महत्वपूर्ण हैं और वे ऌनकली संतोंङ्क के खिलाफ खड़े हैं। उन्होंने योग, खेल और विदेश यात्रा से जुड़े उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री पर तंज कसा। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने भाजपा पर चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर (संक्षिप्त पुनरीक्षण) के दौरान बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा कर समाजवादी पार्टी समर्थकों के वोट कटवाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए मतदाता सूची से नाम हटाए गए, लेकिन चुनाव आयोग में शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बिहार में सरकारी डॉक्टरों के निजी प्रैक्टिस पर प्रतिबंध

पटना। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने शनिवार को आधिकारिक पत्र जारी कर दिया। अब राज्य के सरकारी डॉक्टर निजी क्लीनिक या अन्य स्थानों पर प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय सात निश्चय-3 योजना के तहत लिया गया है, जिसके अंतर्गत एलोपैथी चिकित्सा पद्धति में कार्यरत बिहार स्वास्थ्य सेवा संवर्ग, बिहार चिकित्सा सेवा संवर्ग तथा इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान के चिकित्सा सेवा संवर्ग के डॉक्टरों और मेडिकल शिक्षकों पर यह प्रतिबंध लागू होगा।

सोनार समागम में उमड़ा जनसैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। रवींद्रालय भवन लखनऊ में आयोजित सोनार समागम में स्वर्णकार समाज की विशाल भीड़ उमड़ी। रवींद्रालय भवन के सभागार के अतिरिक्त चारों ओर के बरामदे व बाहर के मैदान में भीड़ ही भीड़ नजर आ रही थी। स्वर्णकार समाज की जागरूकता का यह आलम था कि पूरा परिसर व सड़क तथा मैदान होर्डिंगों और बैनर से पटे पड़े थे। समाज मे राजनैतिक चेतना उदय शुभसंकेत है। उक्त अवसर पर उत्तरप्रदेश स्वर्णकार समाज के समर्थकों की विशाल संख्या में भागीदारी उल्लेखनीय रही। स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान ने स्वर्णकार महापंचायत में बढ़-चढ़ कर सहभागिता की। जिसमें मेरठ, कानपुर, झॉसी, वाराणसी,

सांभली, बदाऊँ, फतेहपुर के स्वर्णकार भारती ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने वृहद संख्या में सहभागिता की। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शारदाशंकर सिंह स्वर्णकार, राष्ट्रीय सचिव उदय सोनी, राष्ट्रीय संयोजक रवि सर्राफ, संस्थापक योगेन्द्र स्वर्णकार, उल्लेखनीय हो स्वर्णकार भारती की स्वर्णकार महापंचायत में भोजन व्यवस्था की। इस महापंचायत में झॉंसी से पधारे उदय सोनी राष्ट्रीय महासचिव, कमलेश सोनी, कानपुर से कमल कुमार वर्मा प्रदेश अध्यक्ष, रत्नेश वर्मा प्रांतीय महासचिव, जय वर्मा, बॉंदा से दीनदयाल सोनी, वाराणसी से रवि सर्राफ, अनिल चंचल राष्ट्रीय महासचिव, कृष्ण कुमार सोनी राष्ट्रीय संरक्षक, धर्मचंद्र सोनार, बदाऊं से ज्ञानेंद्र प्रकाश जिज्ञासु, कुमार आदित्य, आकाश वर्मा दातागंज से, सहित तथा भारत के कोने कोने से सैकड़ों पदाधिकारियों तथा हजारों सक्रिय स्वर्णकार भारती के सदस्यों ने सहभागिता का आयोजन को सफल बनाया।

चिकित्सा विभाग की अहम कड़ी हैं फार्मासिस्ट: ब्रजेश पाठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शनिवार को इंदिरानगर में आयोजित डिप्लोमा फार्मासिस्ट राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन के द्विवार्षिक प्रांतीय अधिवेशन में शामिल हुए। इस अवसर ब्रजेश पाठक ने कहा कि फार्मासिस्ट चिकित्सा विभाग की अहम कड़ी हैं। वे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं। फार्मासिस्ट डॉक्टरों द्वारा लिखे गए नुस्खों के अनुसार मरीजों को सुरक्षित और सही दवाएं उपलब्ध कराते हैं। दवाओं के उपयोग, खुराक, दुष्प्रभावों और परस्पर क्रियाओं के बारे में मरीजों को परामर्श देते हैं। आपके लिए हमारे घर और दफ्तर के दरवाजे सदैव खुले हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि फार्मासिस्ट की भूमिका केवल मरीजों को दवा देना ही नहीं वरन मरीजों की सुरक्षा और सही उपचार सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में हम लोगों के दायित्व अलग हो सकते हैं लेकिन लक्ष्य हमारा एक ही है। प्रदेश के लोगों को सुरक्षित और उच्च गुणवत्तापरक इलाज उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि फार्मासिस्ट हमारे परिवार का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने नवनिर्वाचित एसोसिएशन के प्रबंधन को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामानाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमें संयुक्त रूप से अपने विभाग को प्रदेश और देश में नंबर वन बनाना है। वर्ष 2017 से पहले स्वास्थ्य विभाग की क्या स्थिति थी, यह किसी से छिपा नहीं है। आज हम सभी ने बहुत मेहनत से मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है लेकिन मंजिल अभी दूर है। हमें अभी और काम करना है और प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक गुणवत्तापरक इलाज पहुंचाना है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि एसोसिएशन की ओर से जो भी मांग पत्र प्राप्त हुआ है, उनके स्तर जो संभव होगा, उसका प्रस्ताव तैयार कर मांग को जरूर पूरा कराया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने डीजी, हेल्थ को तत्काल ही प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे हर परिस्थिति में एसोसिएशन के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़े हैं। कार्यक्रम में महानिदेशक चिकित्सा डॉ. पवन कुमार अरुण, महानिदेशक, प्रशिक्षण डॉ. रंजना खरे, प्रदेश अध्यक्ष, डीपीआरए जेके सचान, महामंत्री, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, आरके निगम, जेडी, पैरामेडिकल डॉ. सुनील वर्मा, अध्यक्ष, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद आरके वर्मा, संप्रेक्षक, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद नागेंद्र भूषण पांडेय जी, निदेशक, पैरामेडिकल डॉ. संजू अग्रवाल एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

केजीएमयू के चिकित्सकों ने दो मरीजों का घुटना प्रत्यारोपण कर दर्द से दिलाई निजात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ के आर्थोपेडिक विभाग के चिकित्सकों ने दो मरीजों का घुटना प्रत्यारोपण कर दर्द से निजात दिलाने का काम किया। पहले मरीज हरि प्रसाद हैं। इनकी आयु 76 वर्ष है। वह उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले के निवासी हैं। पिछले चार वर्षों से दोनों घुटनों में लगातार दर्द से पीड़ित थे। समय के साथ उनकी स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी। उन्हें चलने-फिरने में अत्यधिक कठिनाई होने लगी और उनकी दैनिक गतिविधियाँ प्रभावित हो गई थीं। दूसरे मरीज सत्यनारायण हैं। इनकी आयु 65 वर्ष हैं। यह प्रयागराज के निवासी हैं। यह पिछले तीन वर्षों से दोनों घुटनों के दर्द से परेशान थे। इन दोनों परिवारों के लिए यह समय अत्यंत भावनात्मक और चुनौतीपूर्ण कदम था, क्योंकि पूरा परिवार वर्षों तक दर्द सहते देखा था। इस अत्यंत जटिल सर्जरी को केजीएमयू के डॉ. नरेन्द्र सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में ऑर्थोपेडिक सर्जनों की टीम ने सफलतापूर्वक संपन्न किया। घुटना प्रत्यारोपण में डॉ. मनीष कुमार, डॉ. आकाश सिंह, डॉ. तुषार सिंह और डॉ. आयुष तिवारी शामिल रहे। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. हेमलता वर्मा, डॉ. शिवम, डॉ. गोविन्द और डॉ. हरीश ने घुटना प्रत्यारोपण में सहयोग किया। डॉ. नरेन्द्र सिंह कुशवाहा ने शनिवार को हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि सर्जरी के बाद दोनों मरीजों की स्थिति स्थिर है। वे केजीएमयू में नियमित फिजियोथेरेपी के माध्यम से तेजी से रिकवरी कर रहे हैं और अब दोनों मरीज अपने पैरों पर खड़े होकर चलने लगे हैं।

सीएम डैशबोर्ड से समग्र विकास की दिशा में तेजी से बढ़ रहा सीएम योगी का उत्तम प्रदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सीएम डैशबोर्ड की मार्च माह की रिपोर्ट में हमीरपुर को मिला पहला स्थान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पिछले नौ वर्षों से समग्र विकास की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इस दौरान प्रदेश में न केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है, बल्कि समाज के हर वर्ग का उत्थान भी सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी के सपनों को साकार करने में सीएम डैशबोर्ड अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। सीएम डैशबोर्ड से जनसुनवाई, जन कल्याणकारी योजनाओं और राजस्व कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है, जिससे जिलों को बेहतर प्रशासनिक मानक स्थापित करने में मदद मिल रही है। इसी कड़ी में सीएम डैशबोर्ड की मार्च की रिपोर्ट में प्रदेशभर में हमीरपुर ने बेहरीन प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि बरेली ने दूसरा और रामपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। सीएम डैशबोर्ड की ओर प्रदेशभर के जिलों में 49 विभागों के 110 कार्यक्रमों की विभिन्न मानकों के आधार पर समीक्षा की जाती है। इसके बाद जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। सीएम डैशबोर्ड की मार्च माह की रिपोर्ट के अनुसार हमीरपुर ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। बरेली जिले ने दूसरा स्थान और रामपुर जिले ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। जिलाधिकारी रामपुर अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि सीएम डैशबोर्ड की रिपोर्ट उन जिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, जिन्होंने प्रशासनिक दक्षता, विकास कार्यों और राजस्व प्रबंधन में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। डीएम ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप रामपुर में विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। यही वजह है कि रामपुर पिछले कई माह से मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की रिपोर्ट में टॉप टेन जिलों में अपने जगह बनाए हुए है। वहीं, हमीरपुर ने विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में 10 में से 9.55 अंक प्राप्त किए हैं। इसी तरह बरेली ने 9.54 अंक हासिल किये हैं। सीएम डैशबोर्ड रिपोर्ट के अनुसार रामपुर ने 10 में से 9.51 अंक प्राप्त किये हैं। इसी तरह मैनपुरी चौथे और हरदोई पांचवे पायदान पर है। वहीं टॉप टेन जिलों में शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, जालौन, सोनभद्र और कौशांबी ने जगह बनाई है।

कुर्सी रोड महायोजना के खिलाफ 12 अप्रैल को जुटेगें व्यापारी

लखनऊ। महायोजना-2031 के अन्तर्गत कुर्सी रोड के चौड़ीकरण के प्रस्ताव को लेकर व्यापारी कल 12 अप्रैल को अपराह्न 12 बजे एकजुट होकर भावी रणनीति तैयार करेंगे। बैठक के आयोजकों ऋषि त्रिवेदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा, संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अंजनी कुमार और उद्यमी आराधना कुमारी ने आज यहां जारी बयान में बताया कि कल कुर्सीरोड स्थित एसएस ग्रांड होटल में होने जा रही इस बैठक में व्यापारियों के साथ रोड चौड़ीकरण की सीमा में आने वाले शिक्षण संस्थानों व धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधि, आवास के स्वामी मौजूद होंगे, जो कुर्सी रोड महायोजना-2031 के विरोध में भावी रणनीति तैयार करेंगे। मालूम हो कि इस महायोजना के अन्तर्गत कुर्सी रोड के चौड़ीकरण होने से हजारों व्यापारी, गृह स्वामी, मल्टी स्टोरी, होटल, छात्रावास, धार्मिक स्थल पूर्णतः ध्वस्त होने की कगार पर है, जिससे लोगों की न सिर्फ पूरे जीवन की कमाई दांव पर लगी है बल्कि हजारों परिवारों के सामने जीवनयापन पर संकट खड़ा हो जायेगा।

गोमतीनगर में सवर्ण मोर्चा के कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट, यूजीसी मुद्दे पर बढ़ा विवाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर क्षेत्र में उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई जब सवर्ण मोर्चा के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मोर्चा के संयोजक संदीप सिंह सहित कई समर्थकों को हाउस अरेस्ट कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सवर्ण मोर्चा के कार्यकर्ता देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से जुड़े कथित काले कानून पर चर्चा करना चाहते थे। हालांकि, उन्हें मिलने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद प्रशासन ने एहतियातन कार्रवाई करते हुए उन्हें उनके घरों में ही नजरबंद कर दिया। सवर्ण मोर्चा ने आरोप लगाया है कि उनकी मांगों और सवालों का जवाब देने से बचने के लिए यह कदम उठाया गया है। संगठन के संयोजक संदीप सिंह ने कहा कि यदि सरकार ने उनकी बात नहीं सुनी तो सवर्ण समाज इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगा और इसका असर आगामी 2027 के चुनावों में देखने को मिलेगा। संदीप सिंह ने यह भी बताया कि उन्होंने पांच दिन पहले लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी को पत्र सौंपा था, जिसमें मुलाकात का अनुरोध किया गया था। उन्हें आश्वासन भी दिया गया था कि बैठक करवाई जाएगी, लेकिन बाद में इससे इनकार कर दिया गया। वहीं, यूजीसी सचिव मनीष जोशी के इस्तीफ़े पर प्रतिक्रिया देते हुए संदीप सिंह ने कहा कि यह एक प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है, जिसे जल्द सामान्य कर दिया जाएगा। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि अक्सर गलती ऊपर के स्तर पर होती है, लेकिन सजा नीचे के लोगों को भुगतनी पड़ती है। संदीप सिंह ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में सामान्य वर्ग की अनदेखी हो रही है और उन्हें हाशिए पर धकेला जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि सरकार की नीतियों को लेकर समाज में असंतोष बढ़ रहा है, जिसका राजनीतिक असर भविष्य में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। फिलहाल गोमतीनगर क्षेत्र में स्थिति पूरी तरह पुलिस नियंत्रण में है, लेकिन सवर्ण मोर्चा के तेवर संकेत दे रहे हैं कि यह मुद्दा आने वाले दिनों में और अधिक तूल पकड़ सकता है।

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग, 2 कमरों में रखा सामान जलकर खाक

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के वजीरगंज थानाक्षेत्र में शनिवार यानी 11 अप्रैल को सुबह एक मकान में आग लग गई। आग दूसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। जिससे दो कमरों में रखा सामान जलकर खाक हो गया। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। एफएसओ चौक पुष्पेंद्र कुमार यादव ने बताया फायर स्टेशन चौक को सुबह 11 बजे आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दो दमकल गाड़ियां और हजरतगंज फायर स्टेशन से एक गाड़ी मौके पर रवाना की गई। मौके पर पहुंची टीम ने देखा नबी उल्लाह रोड स्थित नई बस्ती रीवर बैंक कॉलोनी निवासी मोहम्मद शरीफ के घर की दूसरी मंजिल पर आग लगी है। आग कॉपी-किताब और जनरल स्टोर के सामान में तेजी से फैल रही थी। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

लखनऊ में 75 लाख की लूट का खुलासा, 5 शातिर लुटेरे गिरफ्तार

- क्राइम ब्रांच व सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई, 45 लाख नकद और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में हुई 75 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट का पुलिस ने सफल खुलासा कर दिया है। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में क्राइम ब्रांच, सर्विलांस टीम और विभूतिखंड थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पांच शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से 45 लाख रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर प्लेट की स्कूटी भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 5 अप्रैल 2026 को विभूतिखंड थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति से स्कूटी सवार बदमाशों ने धक्का देकर नकदी से भरा बैग लूट लिया था। घटना के बाद पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू की और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की पहचान की। जांच में सामने आया कि गिरोह पहले से रेकी कर रहा था और पीड़ित के पास बड़ी रकम होने की जानकारी मिलने पर वारदात को अंजाम दिया गया। मुख्य आरोपी राहुल ने अपने साथियों—आकाश , विशाल , अतुल और अमित —के साथ मिलकर योजना बनाई थी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 10 अप्रैल को लखनऊ पब्लिक कॉलेज के पास से सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया है। इनके खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस सफलता पर पुलिस अधिकारियों ने टीम को सराहना दी है।

जहरीला पदार्थ खाकर युवक ने की आत्महत्या, पत्नी से चल रहा था विवाद

लखनऊ। राजधानी में पैथोलॉजी में काम करने वाले युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। उसका पत्नी से विवाद चल रहा था। 10 अप्रैल को कोर्ट की तारीख पर ससुराल पक्ष ने जान से मारने की धमकी दी थी। जिससे परेशान युवक ने आत्मघाती कदम उठाया। मृतक श्याम विहार कॉलोनी निवासी अजय कुमार शुक्ला के बेटे अमरदीप कुमार शुक्ला((37) निजी पैथोलॉजी लैब में सैंपल कलेक्शन का काम करते थे। परिजनों के मुताबिक, उनका अपनी पत्नी प्रीति के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा था। दोनों की दो संतान हैं। शादी के कुछ साल बाद से अमरदीप कुमार शुक्ला और प्रीति का विवाद चल रहा था। 10 अप्रैल को उनकी कोर्ट में तारीख थी। वहां पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ। वहां मौजूद प्रीति के जीजा सर्वेश ने जान से मारने की धमकी दी थी। कोर्ट से लौटने के बाद अमरदीप काफी परेशान था। देर रात उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। रात को जब पिता उठे तो अमरदीप खून की उल्टियां कर रहा था।

महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा के प्रसार के लिए अपना जीवन समर्पित किया : केशव प्रसाद मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को लखनऊ स्थित सरकारी आवास, 7 कालिदास मार्ग पर महान समाज सुधारक एवं शिक्षाविद महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने सामाजिक समता, शिक्षा के प्रसार और नारी सशक्तिकरण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके विचार और कार्य आज भी हमें एक समतामूलक, शिक्षित और जागरूक समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की करोड़ों माताओं-बहनों के सम्मान का संकल्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- संसद व विधानसभाओं में महिला नेतृत्व के बिना विकसित भारत का सपना अधूरा : बेबीरानी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने शनिवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का एक ऐतिहासिक और युगांतरकारी निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम देश की करोड़ों माताओं बहनों के सम्मान का संकल्प है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के उज्ज्वल, समावेशी और सशक्त भविष्य की आधारशिला है। यह महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि नीति निर्माण की प्रक्रिया में सशक्त भागीदार और निर्णयकर्ता बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। बेबी रानी मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार द्वारा लाया गया यह कानून देश की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों के सम्मान और अधिकारों का राष्ट्रीय संकल्प है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाला यह संवैधानिक संशोधन लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संवेदनशील और प्रभावी बनाएगा। उन्होंने कहा कि भारत में महिलाएं मतदान और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रही हैं, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी अपेक्षाकृत कम है। भागीदारी बढ़ी है, लेकिन प्रतिनिधित्व संतुलित नहीं है। इसी अंतर को समाप्त करने के लिए यह कानून अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि वैश्विक और भारतीय अनुभव यह दर्शाते हैं कि जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं, तो नीतियां अधिक संवेदनशील बनती हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न शोधों के अनुसार जेंडर गैप कम होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़े स्तर पर वृद्धि संभव है। उन्होंने पिछले 10 वर्षों में महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में हुए ठोस कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि करोड़ों महिलाओं के बैंक खाते खुले, बड़ी संख्या में महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं और सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ उन्हें मिला। उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, मातृत्व अवकाश में वृद्धि जैसे कदमों ने महिलाओं के जीवन स्तर में व्यापक सुधार किया है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर लगभग 46 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व यह दर्शाता है कि महिलाओं को अवसर मिलने पर वे प्रभावी नेतृत्व प्रदान करती हैं। अब यही मॉडल संसद और विधानसभाओं में लागू होगा, जिससे नीति निर्माण अधिक जन-केंद्रित और जवाबदेह बनेगा। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 केवल आरक्षण का प्रावधान नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, समान अवसर और सशक्त लोकतंत्र की दिशा में एक व्यापक सुधार है। विकसित भारत 2047 का सपना महिला नेतृत्व के बिना अधूरा है।उन्होंने कहा कि जब नारी सशक्त होती है, तो समाज सशक्त होता है और जब समाज सशक्त होता है, तो राष्ट्र मजबूत होता है।

कांग्रेस द्वारा आयोजित अधिवक्ता सम्मेलन में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित अधिवक्ता सम्मेलन ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी। कार्यक्रम में समाज सुधारक को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ आगामी चुनावों को लेकर रणनीतिक चर्चा भी हुई। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद उपस्थित रहे, जबकि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी ने कार्यक्रम को और अधिक राजनीतिक महत्व प्रदान किया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में अधिवक्ताओं ने भाग लिया और एकजुटता का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि यह सम्मेलन आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिवक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वर्तमान तक न्याय व्यवस्था में अपने योगदान को याद करते हुए पार्टी से सहयोग और समर्थन की अपेक्षा जताई। सम्मेलन के दौरान कुछ अधिवक्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि देश में लोकतंत्र और मानवाधिकारों पर खतरा बढ़ रहा है और हालात लगातार चिंताजनक होते जा रहे हैं। साथ ही सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए तुष्टिकरण और विभाजनकारी राजनीति के आरोप भी लगाए गए। यूजीसी से जुड़े फैसलों में पारदर्शिता की कमी का मुद्दा भी उठाया गया। वक्ताओं ने विभिन्न राज्यों में गौ-नीति को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण पर सवाल खड़े किए। अधिवक्ताओं ने दावा किया कि वर्ष 2027 के चुनाव में जनता इन मुद्दों का जवाब देगी और विपक्षी गठबंधन के सत्ता में आने की संभावना जताई। निष्कर्षतः*, यह अधिवक्ता सम्मेलन केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि आने वाले चुनावी परिदृश्य की झलक भी पेश करता दिखा, जहां कानून, राजनीति और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई।

भाजपा स्थापना दिवस 2026 के उपलक्ष्य में जनसंवाद व् जनसम्पर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भाजपा स्थापना दिवस 2026 के उपलक्ष्य में ग्राम/बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत पिहानी ग्रामीण मण्डल के ग्राम पतौन मे जनसंवाद व् जनसम्पर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदस्य राष्ट्रीय परिषद् भाजपा व् क्षेत्रीय महामंत्री अवध क्षेत्र अनु मोर्चा पीके वर्मा ने ग्राम भरिगवां मे क्षेत्रवासियों से संवाद करए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व् मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व मे केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध मे जागरूक किया। इसी क्रम मे मुख्य अतिथि पीके वर्मा ने ग्राम पतौन स्थित बाबा ब्रम्हदेव स्थान मे दर्शन पूजन व् श्रमदान कर, ग्रामवासियों को भाजपा सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के पत्रक प्रदान किये। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष अमित त्रिवेदी, कार्यक्रम संयोजक मण्डल उपाध्यक्ष गोपाल मिश्रा, सदस्य जिला पंचायत सोनू भारती, पूर्व

मण्डल अध्यक्ष महेश गुप्ता, ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष मेवाराम राठौर, ग्राम प्रधान गण रघुवीर, मोहम्मद जैदी, तहसीम, राजीव सिंह तथा मण्डल कार्यसमिति सदस्य हर्ष द्विवेदी, मंच संचालक मोहित तिवारी सहित मातृशक्ति व् क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर आभार किया व्यक्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। विकास खंड के जीवनपुरवा (मजरा देहलिया) और कन्नौज जनपद के छिबरामऊ विकास खण्ड के चियासर के मध्य गंगा नदी पर पुल निर्माण को कैबिनेट की स्वीकृति मिल गई है। इस उपलब्धि के बाद विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह 'रानू' ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास (5 कालिदास मार्ग) पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और क्षेत्र की जनता की ओर से उनका आभार व्यक्त किया।

विधायक रानू ने मुख्यमंत्री से भेंट के दौरान कहा कि चियासर घाट पर पुल की मांग वर्षों पुरानी थी, जिसे वर्तमान सरकार ने प्राथमिकता देते हुए पूरा किया है। उन्होंने इस निर्णय को सवायजपुर के विकास के लिए 'गेम चेंजर' बताया। विधायक ने कहा कि इस पुल के बनने से न केवल आवागमन सुलभ होगा, बल्कि हजारों ग्रामीणों को नाव के जोखिम भरे सफर और मीलों लंबे चक्कर से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। इस पुल के निर्माण से क्षेत्र के सब्जी उत्पादकों की पहुंच शहरों की मंडियों तक बढ़ेगी, जिसका सीधा लाभ किसानों और स्थानीय व्यापारियों को मिलेगा। कैबिनेट के इस फैसले के बाद पूरे सवायजपुर विधानसभा सहित कटियारी क्षेत्र में खुशी की लहर है। कार्यकर्ताओं ने इसे विधायक के प्रयासों और सरकार की विकासकारी नीतियों की जीत बताया है।

जन सेवा का संदेश: मरीजों को फल वितरित कर मनाया जन्मदिन

मरीजों को फल वितरित करते भाजपा कार्यकर्ता फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। भारतीय जनता पार्टी हरदोई के जिला अध्यक्ष अजीत सिंह 'बब्बन' के जन्म दिवस के अवसर पर शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा भाव का परिचय देते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर मरीजों को नि:शुल्क फल वितरित किए! इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मरीजों का हाल-चाल जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की!

कार्यक्रम के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह ने कहा कि पार्टी हमेशा जनसेवा को प्राथमिकता देती है और इसी उद्देश्य से जन्मदिन जैसे खास अवसर को भी सेवा कार्यों के साथ मनाया जा रहा है! उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना ही सच्चा उत्सव है! अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों ने समाजसेवा की इस पहल की सराहना की और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया! इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष ब्रम्ह कुमार सिंह करणी सेना के जिलाध्यक्ष रमन सिंह अनूप दीक्षित मृगेंद्र सिंह दरोगा सुनील सोनी ओपी राठौर सनोज राठौर शीलू सैनी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी समाजसेवी गणमान्य लोग उपस्थित रहे जिन्होंने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया और समाज में जन सेवा का संदेश दिया!

वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक आहूत की गई

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की अति महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय गांधी भवन में ट्रस्ट के वरिष्ठ ट्रस्टी डाक्टर ए०पी० सिंह की अध्यक्षता में आहूत की गई। डाक्टर सिंह ने बताया कि वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने अपने स्थापना के पच्चीस वर्ष पूरे कर लिए है, इसलिए ट्रस्ट के सभी सहयोगियों का दायित्व बनता है कि रजत जयंती के अवसर पर वर्ष भर में कम से कम चार भव्यता पूर्ण कार्यक्रम आयोजित किये जाएं। ट्रस्ट के सचिव अतुल कांत द्विवेदी ने बताया कि चार कार्यक्रमों की श्रृंखला में पहला कार्यक्रम रोजगार मेले के रूप में आयोजित किया जाएगा इस हेतु ट्रस्ट के ट्रस्टी करुणा शंकर द्विवेदी के साथ जाकर जिला सेवायोजन अधिकारी राजवीर सिंह के साथ बैठक कर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की जा चुकी है। सचिव ने बताया कि रोजगार मेले का आयोजन मई की दिनांक 23 दिन शनिवार को होगा। रोजगार प्राप्त करने हेतु अभ्यर्थी की आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष के मध्य तथा न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल होनी चाहिए, अभ्यार्थी को अपना पंजीकरण रोजगार संगम पोर्टल पर करना अनिवार्य होगा। इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी भुवन चतुर्वेदी वर्चुअल उपस्थित रहकर सभी सहयोगियों को दिशा निर्देश प्रदान किये। बैठक में ट्रस्टी अविनाश चंद्र गुप्त, सुयश बाजपेई सहयोगी, अनिल मेहरोत्रा, श्रवण कुमार राही, के०के० सिंह, गिरीश मिश्रा, श्रवण दीक्षित, सत्यम मिश्र, अनुराग, अशोक श्रीवास्तव, आलोकिता श्रीवास्तव चेतना शुक्ला सरिता अग्रवाल रूपाली मित्तल आदि उपस्थित रहे।

अच्छा जीवन जीवन जीने के लिए सभी को योग को अवश्य अपनाना चाहिए: सुनील कुमार त्रिवेदी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। शनिवार को गांधी भवन हरदोई में पतंजलि योग समिति हरदोई उ०प्र० के जिला प्रभारी हरिबंश सिंह द्वारा चलाए जा रहे नि:शुल्क पतंजलि योग शिविर के 29 वें दिवस पर हरिबंश सिंह ने मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट को हार्दिक बधाई देते हुए पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और कहा कि वास्तव में जिस लग्न भाव से सिटी मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी ने स्वयं योगाभ्यास किया और दूसरों को भी प्रेरित किया यह बहुत बड़ी बात है, वास्तव में 'सर्वे भवन्तु सुखिना' की भावना परिलक्षित होती है। इसी भावना से जुङ कर सभी भाई बहन स्वयं योग करें और दूसरों को भी प्रेरित करें तो बहुत शीघ्र ही हमारा राष्ट्र स्वस्थ और समृद्धशाली हो जाएगा बैसे अबतो अच्छे डाक्टर्स भी योग करने के लिए अपने मरीजों को भी प्रेरित करते हैं।

मुख्य अतिथि ने भी योग गुरू हरिबंश सिंह को व उनकी सहयोग शिक्षिका रिंकी गुप्ता व योग साधकों भी पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और कहा कि अच्छा जीवन जीवन जीने के लिए सभी को योग को अवश्य अपनाना चाहिए जिससे स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन होता है निगेटिव सोच समाप्त होती है और पोजिटिव सोच पैदा होने लगती है। उक्त अवसर पर शशिकला सिंह, मनू गुप्ता, उदय अग्रवाल, अनिल कुमार गुप्ता, संस्कार सिंह मौजूद रहे।

महात्मा ज्योतिराव फूले की जयंती के अवसर पर नाटक 'सत्यशोधक' का हुआ मंचन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। संस्कृति विभाग जवाहर भवन लखनऊ उ0प्र0 सरकार के सहयोग से शनिवार को महात्मा ज्योतिराव फूले जी की जयंती के अवसर पर नाटक 'सत्यशोधक' का मंचन ग्राम पंचायत बहुती कलां ब्लॉक भरावन तहसील संडीला जनपद हरदोई उ0प्र0 में कराया गया।

कहानी की शुरुआत एक पाठशाला से शुरू होती है, जिसका काफी विरोध होता है। यहीं नहीं समाज में व्याप्त अंधविश्वास, जातिवाद और कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया प्रेरणादायक नाटक 'सत्यशोधक' महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फूले के जीवन और उनके संघर्षों पर आधारित है। नाटक 'सत्यशोधक' दर्शकों को उस दौर में ले जाता है, जब समाज में भेदभाव और असमानता चरम पर थी। इस नाटक के माध्यम से यह दिखाया गया है कि किस प्रकार ज्योतिराव फुले ने शिक्षा, समानता और सत्य के मार्ग पर चलकर समाज में परिवर्तन लाने का साहसिक कार्य किया। इस नाटक के दौरान गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक कार्यकर्ता एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे। नाटक के निर्देशक अंकित कुमार ने बताया कि 'सत्यशोधक' केवल एक प्रस्तुति नहीं, बल्कि समाज को आईना दिखाने का प्रयास है। यह नाटक दर्शकों को सोचने पर मजबूर करेगा और उन्हें सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित करेगा। मुख्य अतिथि उर्मिला वर्मा मौजूद रही नाटक में कलाकार भूपेंद्र कुमार, लालाराम, अनुज कुमार, रामेंद्र कुमार, कुमकुम, सविता, सरिता, मुस्कान, रामसनेही देवी, सिमन अंसारी, रंजीत, अंशिका, हिंसिता, आकाश, अंकुर, सुभाष, सुमित्रा, अर्पित, अखिलेश, भैंनू, सरमिंद कुमार, राखी, सोनम, शिवांक, आदि कलाकारों ने अपने किरदारों से दर्शकों का मनमोह लिया। नाटक का निर्देशन 'अंकित कुमार' ने किया।

नाबालिक किशोरी प्रेमी के साथ बरामद

सुरसा (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के एक गांव में सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। जहां एक गांव निवासी किशोरी को उसी के गांव के अन्य धर्म के युवक ने उसको प्रेम जाल में फंसा कर फरार हो गया। जिसकी शिकायत युवती के पिता ने पुलिस में दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सक्रिय हो गई और उसको बरामद करने के लिए अपना जाल बिछाया सटीक सूचना मिलते ही अगले ही दिन पुलिस ने युवती और उसके प्रेमी तथा प्रेमी के एक सहयोगी के साथ बरामद कर लिया है क्योंकि मामला एक धर्म से जुड़ा हुआ था इसलिए पुलिस और सक्रिय हो गई। किशोरी के पिता की ओर से थाने पर दी गई तहरीर में बताया गया। 9अप्रैल की शाम को वह व उसके परिजन घर पर नहीं थे। इस बीच उसके पड़ोस निवासी युवक सलमान पुत्र अली शेर और गांव का ही उसका साथी गुलफाम पुत्र अली मोहम्मद ने उसकी बेटी को अगवा कर लिया। पीड़ित ने घटना की सूचना थाने पर दी थी। पुलिस ने घटना की गंभीरता को समझते हुए मुकदमा पंजीकृत कर किशोरी को बरामद कर आरोपी युवको को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया की युवती उसके प्रेमी के साथ बरामद हो गई है। पूछताछ की जा रही है तथा उसके बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश के निदेशक द्वारा महाविद्यालय का किया गया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदोई में प्रदेश के निदेशक (उच्च शिक्षा), प्रयागराज, उत्तर प्रदेश प्रो0 बी0एल0 शर्मा द्वारा महाविद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। इस औचक निरीक्षण में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 निखिलेश शरण, सभी प्राध्यापक, कार्यालय के सभी कर्मचारी एवं अनुचर ससमय उपस्थित पाये गये। महाविद्यालय में विज्ञान संकाय, वाणिज्य संकाय तथा बी0एड0 के स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाये ससयम संचालित हो रही थी। निदेशक ने सभी संकायों की समय-सारणी का निरीक्षण किया एवं उसके अनुरूप कक्षाओं का निरीक्षण भी किया। परिसर के निरीक्षण के दौरान परिसर स्वच्छता एवं रख-रखाव के संबंध में प्राचार्य को संगत निर्देश दिये तथा परिसर के बाउंड्री वाल के निर्माण का आदेश दिया। निदेशक ने प्राचार्य एवं प्राध्यापकों के साथ एक संक्षिप्त बैठक की, जिसमें शिक्षण एवं प्रशासन में आने वाली कठिनाईयों के बारे में चर्चा की गयी। इस दौरान प्राध्यापकों द्वारा यह समस्या निदेशक के सम्मुख रखी गयी कि एस0आई0आर0 के दौरान महाविद्यालय के आधे से अधिक शिक्षक विगत 02 माह से पुनरीक्षण कार्य में लगा दिये गये हैं जिसके कारण कक्षा का संचालन बुरी तरह से प्रभावित हैं। चुनाव की प्रक्रिया के दौरान कार्मिक प्रशिक्षण हेतु महाविद्यालय का परित्तर निरन्तर उपयोग किया जाता है एवं सभी कर्मचारी तथा आधारभूत संसाधन चुनाव की प्रक्रिया में लग जाने के कारण छात्रहित प्रभावित होने का मामला भी निदेशक के समक्ष रख गया। निदेशक ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन के संबंध में सभी प्राध्यापकों एवं प्राचार्य को संगत निर्देश दिये। निदेशक ने महाविद्यालय के टूट-फूट मरम्मत तथा रंग रोगन के सम्बन्ध में प्राचार्य को विशेष निर्देश दिये। बैठक के दौरान चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की कमी के मामले पर भी उन्होंने संगत निर्देश दिये। संक्षिप्त बैठक में प्राचार्य ने महाविद्यालय के गणित विभाग में केवल 01 स्वीकृत पद होने के कारण विभाग चलाने में हो रही कठिनाई का विषय निदेशक के समक्ष रखा गया

खेत में पानी लगाते समय किसान की संदिग्ध मौत

हरियावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के ग्राम भदेवरा निवासी किसान रामबाबू पाल (लगभग 52 वर्ष) की शुक्रवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों के अनुसार वह तड़के अपने गन्ने के खेत में पानी लगाने गए थे। करीब 11 बजे जब ग्रामीणों ने उन्हें फोन किया तो कॉल रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद परिजनों ने जानकारी की तो पता चला कि वह खेत पर ही हैं। परिजन जब खेत पहुंचे तो देखा कि रामबाबू पानी से लथपथ अवस्था में गन्ने के खेत में गिरे पड़े थे। आनन.फानन में परिजन और ग्रामीणों ने उनके दामाद को सूचना दी। दामाद मौके पर पहुंचा और शव को घर ले आया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा एक पुत्र व दो पुत्रियां हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। पुत्र राजू ट्रक चालक का कार्य करता है वह अभी घर से बाहर है। घटना की सूचना पर पुलिस को अवगत कराया गया। थाना प्रभारी वीर बहादुर सिंह ने बताया कि सूचना मिली है, लेकिन अभी तक कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मृतक किसान की फाइल फोटो

प्रतिभा अलंकरण एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम किया गया आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। कस्बा में शनिवार को राजकीय महाविद्यालय पिहानी, हरदोई में प्रतिभा अलंकरण एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उच्च शिक्षा निदेशक, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के डॉ० बी.एल. शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० गगन कुमार ने की। डॉ० दयाल शरण ने समारोहाध्यक्ष और डॉ० लक्ष्मी नारायण ने सह-समारोहाध्यक्ष की भूमिका निभाई। विशिष्ट अतिथियों में महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय, हरदोई के प्राचार्य डॉ० निखिल शरण, सांख्यिकी अधिकारी डॉ० पंकज सिंह, डॉ० प्रियंका भारती और प्रोफेसर कीर्ति आनंद शामिल थे। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण भी इस अवसर पर मौजूद रहे। सभी अतिथियों का महाविद्यालय परिवार द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। छात्र-छात्राओं ने गीत, नृत्य और नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गणित के प्राध्यापक डॉ० सुरेंद्र कुमार ने छात्र हित में संबोधन दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रतिभा अलंकरण समारोह रहा, जिसमें विभिन्न संकायों के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। एम०ए० की स्नेह लता गौतम, बी०ए० के प्रांजल कपूर और बी०एससी० की नंदिनी कश्यप को टॉपर विद्यार्थियों के रूप में प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि डॉ० बी.एल. शर्मा ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का आधार भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन और कड़ी मेहनत के महत्व पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ० गगन कुमार ने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने का संदेश देते हुए कहा कि प्रतिभा का सम्मान समाज के विकास के लिए आवश्यक है।

बाइक और साईकिल की भिड़ंत में तीन घायल

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के सुभौआपुर गांव के पास शनिवार सुबह गंगा एक्सप्रेस-वे की सर्विस लेन पर बाइक और साइकिल की टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों समेत एक स्कूली छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। छात्र की नाजुक हालत को देखते हुए उसे हरदोई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के ललुआमऊ गांव निवासी सिद्धार्थ (19) अपने जीजा रंजेश (22) के साथ बाइक से भरखनी ब्लॉक जा रहे थे। इसी दौरान ज्यूरी चंद्रमपुर गांव निवासी कक्षा छ: का छात्र ऋषि (11) साइकिल से स्कूल जा रहा था। सुभौआपुर गांव के पास दोनों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से सभी घायलों को सीएचसी हरपालपुर भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने छात्र ऋषि की हालत गंभीर देख उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया हैं।

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति, हरदोई द्वारा दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। डॉ० भीमराव अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति, हरदोई द्वारा महान समाज सुधारक, विचारक और शोषितों की आवाज़ बुलंद करने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

समिति की अध्यक्ष ने बताया कि संविधान निर्माता डॉ० बी.आर. अम्बेडकर, महात्मा फुले को अपना गुरु मानते थे। फुले के विचारों ने ही बाबासाहेब को सामाजिक न्याय की लड़ाई के लिए प्रेरित किया। आज हरदोई की यह समिति उनके इसी मिशन को आगे बढ़ाने के लिए कृतसंकल्प है। डॉ० भीमराव अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति ने जनपद के युवाओं से आह्वान किया कि वे महात्मा फुले के संघर्षों को पढ़ें और उनके बताए गए समानता व बंधुत्व के मार्ग को अपनाएं।

प्राथमिक के दिवंगत शिक्षक के यहां सत्यापन कार्य हुआ पूर्ण

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शुक्रवार शाम को प्रांतीय अध्यक्ष के दिशा निर्देश पर स्व मनीष कुमार बाजपेई के घर भौतिक सत्यापन का कार्य पूर्ण किया गया। इस अवसर पर बड़े भाई अवनीश यादव (प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष टीएससीटी) जिला हरदोई टीम से शरीफुद्दीन (जिला संयोजक हरदोई टीएससीटी) विनीत मिश्र जिला प्रवक्ता विकास सिंह सह संयोजक सर्वदमन सिंह सहसंयोजक अमित कुमार जिला आइटी सेल सतेंद्र प्रजापति सहसंयोजक ब्लॉक बावन टीम से विद्यानिधि मिश्र, ब्लॉक संरक्षक नवनीत अग्निहोत्री, ब्लॉक संयोजक बावन विजय पाल तोमर ब्लॉक प्रवक्ता बावन टीएससीटी आदि उपस्थित रहे।स्वर्गीय मनीष कुमार बाजपेयी को टीएससीटी की तरफ से 50 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

थ्रेसर की सॉफ्ट में फँसकर महिला की हुई दर्दनाक मौत

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। गेहूं की मढाई के दौरान थ्रेसर में फँसकर एक महिला की मौत हो गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के कुंडिया मजरा सतौथा गांव निवासी दलित शैलेंद्र रैदास अपनी 27 बर्षीय पत्नी रुचि के साथ शनिवार की सांय करीब चार बजे खेत में गेहूं की थ्रेसर से मढाई कर रहे थे। इस दौरान अचानक रुचि का थ्रेसर की शॉप्ट में दुपट्टा फँस गया, जिससे उसकी गर्दन कसने से मौत हो गई है। मामले की सूचना स्थानीय कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जाता है शैलेंद्र गांव के ही रामाधीन का खेत बटाई पर कर रहा था। मृतका के दो मासूम बेटे हैं। प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मृतका की फाइल फोटो

अज्ञात कारणों से लगी आग ने किसानों की तोड़ी कमर

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली

क्षेत्र के गांवों में शनिवार को अज्ञात कारणों से लगी आग ने किसानों की कमर तोड़ दी। सवायजपुर ककरा और इकनौरा गांव के खेतों में अचानक उठी लपटों ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लियाए जिसमें 10 बीघा से अधिक की फसल और पराली जलकर राख हो गई। जानकारी के अनुसार आगजनी की इस घटना में ककरा निवासी गेंदनलाल की एक बीघा फसल जल गई। वहीं इकनौरा गांव में शिवाजी नारायण व लक्ष्मी नारायण की चार बीघा, गुड्डू, चेतराम तथा भजनू की छह बीघा की फसल व पराली आग की भेंट चढ़ गई। पीड़ित किसानों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि जब तक ग्रामीण उसे बुझाने का प्रयास करते, तब तक सब कुछ जल चुका था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सूचना देने के करीब एक घंटे बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। यदि फायर ब्रिगेड समय पर आती तो नुकसान को कम किया जा सकता था। घटना की जानकारी मिलने पर राजस्व विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर मौका मुआयना किया और नुकसान का आकलन तैयार किया है।

नायब तहसीलदार की अध्यक्षता में संपूर्ण थाना दिवस संपन्न

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शनिवार को सुबह 10:00 से दोपहर ०2:00 तक शाहाबाद कोतवाली में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

जिसकी अध्यक्षता नायब तहसीलदार संतोष कुमार कुशवाहा ने की। इस मौके पर पुलिस और राजस्व से संबंधित 8 शिकायतें आई जिनमें से दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को निस्तारित करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। इस मौके पर समस्त उपनिक्षक, बीट प्रभारी और लेखपाल मौजूद रहे।

घातक किशोर अपराध

बदलते वक्त के साथ समाज में बढ़ते आक्रामक व्यवहार के चलते अपराधों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन किशोरों की अपराधों में संलिप्तता बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। हाल के दिनों में देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे-छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है। वहीं किशोरों में कानून का भय न होना गंभीर मसला है। बताया जाता है कि इस युवक की हत्या में तीन नाबालिग संलिप्त थे। इस घटना में तीन किशोर एक युवक पर लगातार चाकू मारते रहे। हिंसक प्रवृत्ति की पराकाष्ठा देखिए कि इनका चौथा साथी बाकायदा मोबाइल पर घटना का वीडियो बनाता रहा। निस्संदेह, यह घटना किसी भी सभ्य समाज में सिहरन पैदा करने वाली है कि किशोर में यह आपराधिक दुस्साहस कहां से आ रहा है। जाहिर बात है कि इन किशोरों में पुलिस-प्रशासन का कोई भय नहीं था, तभी वे सरेआम चाकूबाजी करते रहे। देश की राष्ट्रीय राजधानी जहां के बारे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में अग्रणी रहता है, वहां यह घटना सामने आयी। सवाल उठाया जा सकता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में यह स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि किशोरों की आपराधिक घटनाओं में तेजी से बढ़ती भूमिका की असली वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि दयालपुर की घटना से पहले भी कई गंभीर अपराधों में किशोरों की संलिप्तता की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रही हैं। लेकिन किशोर अपराध से जुड़े कानून उन्हें जल्दी रिहा करा देते हैं। दरअसल, देश में अकसर किशोरों के गंभीर अपराधों में लिप्त होने के चलते उनकी वयस्क होने की उम्र घटाने की मांग होती है। इसकी वजह यह है कि किशोर गंभीर अपराधों में संलिप्तता के बावजूद किशोर अपराध से जुड़े कानूनों के लचीलेपन के चलते जेल से जल्दी रिहा हो जाते हैं। जेल से बाहर आने के बाद फिर दूसरे गंभीर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं। यह गंभीर मुद्दा है जिसके समाधान को केंद्र सरकार को अपनी प्राथमिकता बनाना चाहिए। दरअसल, इंटरनेट के तेजी से प्रसार और सोशल मीडिया में अपराधों से जुड़ी घातक सामग्री की उपलब्धता किशोरों में भटकाव को बढ़ावा दे रही है। हिंसक फिल्में और अन्य माध्यमों में अपराध के तौर-तरीके से जुड़ी सामग्री किशोर मन पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। देश में संयुक्त परिवारों के बिखराव व बच्चों पर मां-बाप का नियंत्रण कम होने से कई किशोर बुरी संगति के चलते अपराधजगत की फिसलन में उतर जाते हैं। दूसरी ओर स्कूल-कालेजों में शिक्षकों की वह भूमिका नहीं रही, जो सख्ती से किशोरों के व्यवहार को नियंत्रित कर सके। आज उनकी सोच को मोबाइल व सोशल मीडिया पर प्रसारित विकृत सूचनाएं प्रभावित कर रही हैं। समाज के व्यवहार में एक किस्म की आक्रामकता नजर आती है। वहीं दूसरी ओर आपराधिक गिरोह व गैंग भी अपने आपराधिक कृत्यों को अंजाम देने कि लिए किशोरों का इस्तेमाल करते हैं। सवाल यह भी है कि किशोरों तक घातक हथियार कहां से और कैसे पहुंच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, नशे की दलदल में फंसने वाले किशोर भी कालांतर नशा खरीदने के लिये पैसे जुटाने के लिये अपराध की गली में उतर जाते हैं। फिर गंभीर अपराधों को अंजाम देने लगते हैं। निश्चित रूप से बदलते वक्त के साथ पुलिस की भूमिका व कार्यशैली में बदलाव लाने की जरूरत है। साथ ही समाज में भी जागरूकता लानी आवश्यक है ताकि किशोरों को अपराध की राह पर बढ़ने से रोका जा सके। सरकार और समाज के साझे प्रयासों से ही इस संकट से उबरने में मदद मिल सकती है।

> **हाल के दिनों में देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे-छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है।**

बंगाल में आक्रामक हुआ चुनाव प्रचार, जारी हुआ भाजपा संकल्प पत्र

मृत्युंजय दीक्षित

> **भाजपा भी इस बार सरकार बनाने के लिए लड़ रही है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हल्दिया, आसनसोल व सिउड़ी में विशाल जनसभाओं में बंगाल की जनता को छह गारंटियां दीं जिनको भाजपा के संकल्प पत्र में दोहरा कर मजबूत किया गया । इन जनसभाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने जहाँ एक ओर विकास और सुशासन का एजेंडा सामने रखा वहीं दूसरी ओर टीएमसी सरकार पर चौतरफा प्रहार किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबका साथ सबका विकास तो होगा ही लेकिन जिन लोगों ने लूटा है, उन लुटेरों का हिसाब भी होगा। उन्होंने ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि विगत 15 वर्षों में राज्य में सिंडीकेट, कट मनी और गुंडाराज का बोलबाला रहा है जिससे आम जनता का विश्वास टूटा है। भाजपा सरकार आने पर भय की जगह भरोसा कायम किया जायेगा। भ्रष्टाचार करने वालों को जेल भेजेंगे। सरकारी सिस्टम जनता के लिए जवाबदेह होगा।**

असम, केरल व पुद्दुचेरी में विधानसभा चुनाव हेतु मतदान संपन्न हो जाने के बाद पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु के चुनाव प्रचार मे आक्रामकता आ गई है। बंगाल के सन्दर्भ में प्राप्त विश्लेषणों के अनुसार ऐसा लग रहा है कि इन चुनावों में बंगाल में मात्र दो प्रतिशत मतों के अंतर से ही सरकार बनने का खेल होने वाला है। सत्ता के लिए प्रमुख लड़ाई चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए प्रयासरत ममता बनर्जी तथा भारतीय जनता पार्टी के बीच ही है और यही दोनों आक्रामक रूप से चुनाव प्रचार भी कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने पहले ममता सरकार के खिलाफ श्वेत पत्र जारी किया फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन विशाल जनसभाओं के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया। इस बीच बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व उनकी पार्टी के कुछ नेताओं ने बीजेपी की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर हिंसा को बढ़ावा देने वाली बयानबाजी आरम्भ कर दी। अभिषेक बनर्जी तो अपनी रैली में सीधे तौर पर भाजपा के कार्यकर्ताओं की गर्दन, हाथ, पैर तोड़ने तक की बात कह रहे हैं । इसके लिए उनके खिलाफ चुनाव आयोग की ओर से एफआईआर भी की गई है।बंगाल की मुख्यमंत्री ने स्वयं चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और लगातार कोर्ट में अभियान चला रही हैं। बंगाल की मतदाता सूची से लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम कट जाने से वह अधिक परेशान हैं।

भाजपा भी इस बार सरकार बनाने के लिए लड़ रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हल्दिया, आसनसोल व सिउड़ी में विशाल जनसभाओं में बंगाल की जनता को छह गारंटियां दीं जिनको भाजपा के संकल्प पत्र में दोहरा कर मजबूत किया गया । इन जनसभाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने जहाँ एक ओर विकास और सुशासन का एजेंडा सामने रखा वहीं दूसरी ओर टीएमसी सरकार पर चौतरफा प्रहार किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबका साथ सबका विकास तो होगा ही लेकिन जिन लोगों ने लूटा है, उन लुटेरों का हिसाब भी होगा। उन्होंने ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि विगत 15 वर्षों में राज्य में सिंडीकेट, कट मनी और गुंडाराज का बोलबाला रहा है जिससे आम जनता का विश्वास टूटा है। भाजपा सरकार आने पर भय की जगह भरोसा कायम किया जायेगा। भ्रष्टाचार करने वालों को जेल भेजेंगे। सरकारी सिस्टम जनता के लिए जवाबदेह होगा। हर घोटाले, भ्रष्टाचार ओर बहन बेटियों के साथ हुए अन्याय की फाइलें, खुलेंगी। घुसपैठियों को खोज खोजकर खदेड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी की विशाल जनसभाओं के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया है जिसमें कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। बंगाल में कोलकाता के भाजपा कार्यालय में एक विशाल वंदेमातरम संग्रहालय बनाया जाएगा। गृहमंत्री ने कहा कि हम वंदे मातरम की परिकल्पना के माध्यम से बंगाल की संस्कृति को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करेंगे।अभी वंदेमातरम की 150वीं जयंती पर संसद में विशेष सत्र का आयोजन हो चुका है तथा साथ ही अब सरकारी आयोजनों में संपूर्ण वंदे मातरम गायन अनिवार्य किया जा चुका है।बंगाल की दृष्टि से वंदेमातरम संग्रहालय की स्थापना एक महत्वपूर्ण घोषणा है। सिंगूर को लेकर घोषणा- भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में दूसरी बड़ी घोषणा सिंगूर को लेकर की है जिसमें भाजपा ने सरकार बनने के बाद वहां एक औद्योगिक पार्क बनाने का संकल्प किया है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सिंगूर से अपनी राजनैतिक जमीन बनाने की शुरुआत की थी। पश्चिम बंगाल का सिंगूर विवाद भारत के औद्योगिक और राजनीतिक इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना रही है। सिंगूर विवाद वर्ष 2006 में शुरू हुआ था जब तत्कालीन वामपंथी सरकार ने हुगली जिले के सिंगूर में टाटा मोटर्स को नैनो कार बनाने के लिए करीब 997 एकड़ जमीन दी। सरकार ने यह जमीन पुराने भूमि अधिग्रहण कानून के अंतर्गत ली थी किंतु सरकार ने निर्णय का कुछ स्थानीय किसान संगठनों ने विरोध किया था तब ममता बनर्जी किसानों के समर्थन में आ गई और मां, माटी और मानुष का नारा दिया। आज बंगाल मे सभी कल कारखाने बंद हो चुके हैं और भारी बेरोजगारी है। यही कारण है कि भाजपा ने अब सिंगूर में ही औद्योगिक पार्क बनवाने का संकल्प लिया है। संकल्प पत्र में राज्य में कानून व्यवस्था सुधारने और विकास को गति देने को भाजपा का लक्ष्य बताया गया है। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में महिलाओं, युवाओं, किसानों, बुजुर्गों एवं व्यापारियों के लिए घोषणा की है। भाजपा के संकल्प पत्र में बंगाल मे राजनीतिक हिंसा की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में एक विशेष आयोग बनाया जाएगा और सभी मामलों की जांच कर दोषियों को सजा दिलाई जाएगी। साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। इसके अलावा घुसपैठियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट नीति लागू की जाएगी। कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता लागू किया जाएगा। महिलाओं को हर महीने 3000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। आयुष्मान भारत सहित केंद्र सरकार की सभी योजनाएं बंगाल में लागू की जाएंगी।भाजपा ने बंगाल में भी समान नागरिक संहिता लागू करने का संकल्प लिया है और युवाओं को एक करोड़ रोजगार देने का वादा भी किया है। भाजपा वर्ष 2026 में बंगाल से ममता सरकार की विदाई तय करने के लिए सतर्कता के साथ कड़ी मेहनत कर रही है। बंगाल के विश्लेषकों का मत है कि बंगाल में ममता दीदी का दुर्ग भेदना अभी भी बहुत कठिन है क्योंकि चुनावी हिंसा बहुत अधिक होती है लेकिन इस बार चुनाव आयोग भी बहुत सख्त है अतः परिस्थिति बदल सकती है । इस बार चुनावों के बाद भी दो माह तक बंगाल में केंद्रीय बल तैनात रहेंगे। विश्लेषकों कहना है कि यदि इस बार बंगाल चुनाव बिना किसी हिंसा के संपन्न हो जाते हैं तो भाजपा सरकार बनने की सम्भावना भी बन सकती है।

समाज सुधार के दो दीप ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले

आरती चौगुले

> **पिछड़े हुए रूढ़िवादी, अंधश्रद्धा, छुआछूत,जातिभेद आदि बुराइयों, कुरीतियों से ग्रसित समाज में, इन्होंने क्रांति की मशाल जलाई और समाज को एक नई दिशा देकर अजर अमर हो गये। ज्योतिबा का जन्म 11 अप्रैल 1827 को कटगुण सातारा में एक रूढ़िवादी पिछड़े हुए माली परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम गोविंदराव व माता का नाम चिमणाबाई था। इनके बड़े भाई का नाम राजाराम था। पिता का एक बाग था और वे फूल बेचने का कार्य करते थे, इसलिये इनका उपनाम फुले पड़ गया।**

महात्मा ज्योतिराव फुले व सावित्रीबाई फुले इन नामों से कोई भी अपरिचित नहीं है। संपूर्ण विश्व में विशेषतः महाराष्ट्र में यह पति-पत्नी पूजनीय है। सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम शिक्षिका के रूप में पहचानी जाती है। पिछड़े हुए रूढ़िवादी, अंधश्रद्धा, छुआछूत,जातिभेद आदि बुराइयों, कुरीतियों से ग्रसित समाज में, इन्होंने क्रांति की मशाल जलाई और समाज को एक नई दिशा देकर अजर अमर हो गये। ज्योतिबा का जन्म 11 अप्रैल 1827 को कटगुण सातारा में एक रूढ़िवादी पिछड़े हुए माली परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम गोविंदराव व माता का नाम चिमणाबाई था। इनके बड़े भाई का नाम राजाराम था। पिता का एक बाग था और वे फूल बेचने का कार्य करते थे, इसलिये इनका उपनाम फुले पड़ गया। छोटी आयु में ही इनकी माता का देहान्त हो गया, और सगुणाबाई-क्षीरसागर नाम की मौसेरी बहन ने इनका लालन-पालन किया। बचपन से ही ज्योतिबा कुशाग्र बुद्धि थे। शिक्षा के प्रति रुझान था। पढने में रूचि थी। इनकी प्रतिभा देखकर, इनके पिता ने विद्यालय में दाखिला करवा दिया। कक्षा में वह मेधावी छात्रों में से थे। उस समय निम्न जाति के लोगों को और स्त्रियों को शिक्षा के अधिकार से वंचित रखा जाता था। इसी कारण कुछ लोगों ने गोविंदराव को फुसलाना शुरू किया, कहते 'ज्योतिबा' को पढ़ा-लिखा कर क्या करोगे? करना तो उसको बगीचा, खेती की देखभाल और उसका पारिवारिक फूल बेचने का व्यवसाय ही है। फलस्वरूप उनके पिता ने उनको विद्यालय से निकाल लिया और खेती के कामों में लगा दिया, लेकिन ज्योतिबा के मन में पढ़ने की तीव्र लालसा थी। वे खेत में ही वृक्ष के नीचे बैठकर मिट्टी में अक्षर लिखते रहते थे। तीन वर्ष इसी तरह बीतने के पश्चात 'स्कॉट इंग्लिश मीडियम स्कूल में ज्योतिबा ने पुनः विद्यार्जन प्रारंभ किया। उस समय समाज में एक और कुप्रथा थी 'बाल-विवाह । कुल तेरह वर्ष की आयु में ज्योतिबा का विवाह नौ वर्ष की सावित्री के साथ हो गया। सावित्री सातारा जिले में नायगाँव की रहनेवाली भोली-भाली निर्भीक और चंचल बालिका थी। इनके पिता का नाम खंडोजी नेवसे पाटिल था। सहेलियों के साथ पेड़ पर चढकर बेर-इमली तोड़ना, भाँति-भाँति के खेल खेलना यही उसकी दिनचर्या थी। किसी भी प्रकार का अन्याय वह सहन नहीं करती थी। अन्याय होते हुए देख भी नहीं सकती थी। उस समय समाज में स्त्रियों की स्थिति दयनीय थी। स्त्रियों को शिक्षा के अधिकार से वंचित रखा गया था। छोटी उम्र में विवाह, मातृत्व का बोझ, संयुक्त परिवार में दिनभर घर के काम, बच्चों की परवरिश, इतना ही स्त्रियों का दायरा था। यदि कोई लड़की बाल उम्र में ही विधवा हो जाती, तो परिवार और समाज उसका जीना दुश्वार कर देते। अच्छा खाना, अच्छा पहनना तो वह सोच भी नहीं सकती थी। सती प्रथा जैसी कुप्रथाएं समाज में व्याप्त थी। राजा राममोहन राय और केशवचंद्र सेन ने इन कुरीतियों का जमकर विरोध किया। ज्योतिबा ने भी इन कुप्रथाओं का जमकर विरोध किया और स्त्री शिक्षा का शुभारंभ इन्होंने अपने घर से ही सावित्री को अक्षर-ज्ञान करा के किया। सावित्री भी कुशाग्र बुद्धि की थी। पठन-पाठन में उसकी विशेष रूचि थी। शीघ्र ही उन्होंने शिक्षा को आत्मसात कर लिया था, किंतु यह सब इतना सरल नहीं था। स्त्री शिक्षा के विरोधी समाज ने उन पर अनेकानेक अत्याचार किये। उन पर पत्थर फेंके, गोबर, कीचड़ फेंका, मानसिक यातनाएं दी, फिर भी यह दंपत्ति अपने पथ से विचलित नहीं हुए। शनैः शनैः समाज में कुछ लोग स्त्री शिक्षा का अनुमोदन करने लगे। उनको शिक्षा का महत्व समझ में आने लगा। वे अपने घर की महिलाओं को पढ़ने के लिये विद्यालय में भेजने लगे। सावित्रीबाई, उन स्त्रियों को बहुत प्रेम से, अपनत्व से पढ़ाती थी। इस प्रकार देश की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई हुई। शिक्षा का प्रसार तीव्र गति से हो रहा था। ज्योतिबा ने (22) बाईस विद्यालय खोले। सत्य-शोधक समाज की स्थापना की। देश में प्रचलित कुरीतियों का विरोध किया। कुरीतियों और अज्ञान के अंधकूपों में पड़े हुए समाज में ज्ञान की ज्योति जलाई और अपने ज्योतिबा नाम को सार्थक किया। सावित्रीबाई, अपने पति के पदचिन्हों पर चलती रही और पति के संपूर्ण कार्यों में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा। एक बार महाराष्ट्र में अकाल पड़ गया तब सावित्रीबाई ने रोज दो हजार भाकरी (ज्वार की रोटी) बनाकर गरीबों को खाना खिलाया। स्वयं के घर का कुआँ, अस्पृश्यों को पानी भरने के लिये खोल दिया। बालहत्या, भ्रूणहत्या जैसे अपराधों को रोका। सारी उम्र इस दंपत्ति ने सामाजिक कार्यों में तन-मन-धन से अपने आप को झौंक दिया। इस सब के लिये उनको अनेक यातनाएं झेलनी पड़ी। धर्म के ठेकेदारों ने उनको अनेक प्रकार से प्रताड़ित किया, यहाँ तक कि ज्योतिबा के पिता ने उनको परिवार से निष्कासित कर दिया। 73 वर्ष की उम्र तक उन्होंने क्रांति की मशाल थामे रखी। गुलामगिरी ज्योतिबा के द्वारा लिखी पहली पुस्तक है। 73 वर्ष की उम्र में पक्षाघात का आक्रमण उन पर हुआ। सावित्रीबाई ने अपने पति की खूब सेवा की। इस दंपत्ति की अपनी कोई संतान नहीं थी। दूसरों के बच्चों पर यह ममतामयी माँ अपनी ममता लुटाती रही। एक अनाथ बच्चे को गोद लेकर डॉक्टर बनाया। ज्योतिबा ने उनकी मृत्यु के समय उनकी अंतिम इच्छा व्यक्त की थी कि उन्हें उनके घर के आँगन में दफन किया जाय। परंतु तत्कालीन सरकार ने उनकी इस इच्छा का विरोध किया, और रीति-रिवाज के अनुसार उनका दाह-संस्कार किया गया। सावित्रीबाई ने पति की अर्थी के आगे चलकर पति की चिता को मुखाग्नि दी। इस तेजोमय नारी को मेरा शतशःवंदन। पति की मृत्यु के पश्चात भी, इन्होने समाजसेवा का जो व्रत लिया था उसे अखंड चालू रखा। 1897 में महाराष्ट्र में प्लेग फैला हुआ था। शरीर में किसी स्थान पर गाँठ होती थी और चौबीस घंटे में व्यक्ति मृत्यु के आधीन हो जाता था। एक-एक घर में से चार-चार व्यक्ति मृत्यु के मुख में जा रहे थे। सावित्रिबाई घर-घर में जाकर, प्लेग से पीड़ित लोगों की सेवा सुश्रुषा कर रही थी। उनको स्वयं के प्राणों की तनिक भी परवाह नहीं थी। अपने गोद लिये बेटे यशवंत को जो नागपुर में कार्यरत था, उन्होंने पूना बुला लिया। सावित्रीबाई रोगियों को कंधे पर लादकर अस्पताल पहुँचाया करती थी। ऐसे ही एक बालक को कंधे पर लादकर ले जाते समय रोग का संक्रमण उन्हें हो गया और प्लेग की इस महामारी में, दस मार्च 1897 के दुर्भाग्यशाली दिन ये अनाथों की माँ, लाखों लोगों की श्रद्धास्थान अपनी इहलोक की यात्रा समाप्त कर के अनंत में विलीन हो गयी। वे नायगाँव जैसे ग्रामीण परिवेश में पली-बढ़ी, निरक्षर कन्या थीं जिसके पास अदम्य साहस, धैर्य, निर्भरता और लगन जैसे सद्गुण थे। इन सद्गुणों से अलंकृत सावित्रीबाई को मेरा कोटि-कोटि नमन। आजीवन इस दंपत्ति को समाज ने यातनाएं, त्रास, विवंचना ही दी किंतु उन्होंने स्त्री शिक्षा का जो छोटा सा पौधा लगाया था आज वह वटवृक्ष का रूप ले चुका है। पुणे में आज भी सावित्री बाई फुले विद्यापीठ अस्तित्व में है। उनके घर को महाराष्ट्र सरकार ने संग्रहालय का रूप दिया है। प्रत्येक सफल पुरूष की सफलता के पीछे एक स्त्री होती है। महात्मा ज्योतिराव फुले के कार्यों में उनकी सहधर्मिणी, सहचरी पत्नी का पूर्ण योगदान था। पति-पत्नी दोनों ही एक रूप थे शायद इसलिये इस दांपत्य का समाज के प्रति अमूल्य योगदान है।

किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

ललित गर्ग

> **दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है?**

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है। दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुतः, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मर्यादाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते। यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुनः समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है। दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं। ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निर्माताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रामकता आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर संकट का रूप ले सकती है। इसलिए यह समय चेतने का है, सोचने का है और मिलकर समाधान खोजने का है, ताकि हमारी किशोर पीढ़ी हिंसा की राह छोड़कर सृजन और संवेदना के मार्ग पर अग्रसर हो सके।

डीएम के निर्देश पर ढ़हाया गया अवैध कब्जा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पुरवा-उन्नाव। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार संचालित एंटी भू-माफिया अभियान के अंतर्गत शनिवार को ग्राम पारा में अवैध कब्जे को तहसील प्रशासन द्वारा ढ़हाया गया। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव के निर्देश पर तहसील प्रशासन ने बुलडोजर कार्यवाही की।

स्थानीय तहसील के परगना मौरावां अंतर्गत ग्राम पारा में स्थित भूमि संख्या 1693 ख, रकबा 0.038 हेक्टेयर (ऊसर), जिसकी बाजार कीमत लगभग 50 लाख रुपये आंकी गई है, पर अवैध कब्जे के प्रयास को निरस्त किया गया। उक्त भूमि पर सोहन पुत्र लोधेश्वर, निवासी घीनाखेड़ा मजरा पारा द्वारा पिलर आदि बनाकर अवैध कब्जा किया जा रहा था। इस संबंध में ग्राम प्रधान एवं अन्य ग्रामीणों द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई थी।

शिकायत के क्रम में उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव के आदेशानुसार नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी एवं क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त अस्थायी अतिक्रमण को हटाया गया तथा भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में कठोर कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

प्रयागराज टिकट चेकिंग अभियान में 1413 यात्रियों से सवा नौ लाख जुर्माना

प्रयागराज। प्रयागराज मण्डल यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ टिकट रहित और अनियमित यात्रा करने वालो पर अंकुश लगाने के लिए टिकट चेकिंग अभियान चलाता रहता है। शुक्रवार को देर रात तक चले अभियान में कुल 1413 यात्रियों को विभिन्न अनियमितताओं के तहत प्रभारित किया गया। जिनसे कुल 9,24,590 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने शनिवार को देते हुए बताया कि इसमें 645 बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों से 5,35,170 रुपए, 757 अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों से 3,88,220 रुपये तथा 11 यात्रियों से धूम्रपान एवं गंदगी फैलाने के लिए 1200 रुपये का जुर्माना वसूला गया। उन्होंने बताया कि मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित अग्रवाल के सुपरविजन में सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत प्रयागराज मण्डल के विभिन्न स्टेशनों एवं 72 से अधिक ट्रेनों में विशेष जांच की गई। टिकट जांच स्टाफ द्वारा गहन निरीक्षण करते हुए बिना टिकट यात्रा करने वालों, अनियमित रूप से यात्रा करने वाले यात्रियों, धूम्रपान करने वालों तथा अनबुक्ड लगेज ले जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई।

यात्रियों से जहरखुरानी करने वाले पिता-पुत्र समेत तीन गिरफ्तार, झोलाछाप डॉक्टर फरार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले की शाहगंज और खेतासराय पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को जहरखुरानी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किय हैं। गिरोह में शामिल पिता-पुत्र समेत तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, नशीला पदार्थों की सप्लाई करने वाला झोलाछाप डॉक्टर अब भी फरार है।

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव ने शनिवार को पुलिस लाइन सभागार में घटना का खुलासा करते हुए बताया कि शाहगंज और खेतासराय पुलिस की संयुक्त टीम ने चिरैया मोड़, बिलार मऊ रोड पर चेकिंग के दौरान तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है।इनकी पहचान आजमगढ़ जिले के शंभुपुर ब्लूअह्वा निवासी हनुमान निषाद, उनका बेटा अंकित निषाद और आकाश यादव के रूप हुई हैं। इनके पास से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, नशीला पाउडर, एक अल्टो कार और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई है।

पूछताछ में अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि वह लोग गिरोह बनाकर पहले बस या ट्रेन में सफर करते हुए यात्रियों की गतिविधियों पर नजर रखते और अनुमान लगाते है कि उनके पास कितना कीमती सामान हो सकता है। फिर वह लोग यात्री से दोस्ती करते थे फिर उनको विश्वास में लेकर चाय, कॉफी या अनार के जूस में डायजापाम और नशीला पदार्थ मिलाकर पिला देते हैं। नशीला पदार्थ सेवन के 15 से 20 मिनट के भीतर ही यात्री बेहोश हो जाता फिर उनके कीमती सामान लेकर फरार हो जाते हैं। लूटे गए गहनों को जलालपुर क्षेत्र में बेचा जाता था।

एएसपी नगर ने बताया कि यक्ष एप की मदद से पुलिस ने पहले अंकित निषाद की पहचान की, जिसके बाद पूरे गिरोह तक पहुंच बनाई गई। पीड़ितों को फोटो दिखाने पर उन्होंने आरोपितों की पहचान भी की। यह गिरोह आजमगढ़, सुल्तानपुर और भदोही सहित कई जिलों में वारदातों को अंजाम दे चुका है।

अपराधी हनुमान निषाद पर 38, अंकित निषाद पर 33 और आकाश यादव पर 10 मुकदमे दर्ज हैं। तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वहीं, इन लोगों को नशीला पदार्थ उपलब्ध कराने वाला झोलाछाप डॉक्टर विपिन प्रजापति अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

मगरवारा की पारस फैक्ट्री में महिलाओं को किया गया जागरूक, हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

- महिला थाना प्रभारी व परिवार परामर्श केंद्र टीम ने चलाया जागरूकता अभियान, सुरक्षा व अधिकारों पर दिया जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। शासन की मंशा के अनुरूप वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश के निर्देशन में शनिवार को सदर कोतवाली क्षेत्र के मगरवारा चौकी के सामने स्थित पारस फैक्ट्री में महिला सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। फैक्ट्री में कार्यरत करीब 200 से अधिक महिला श्रमिकों को पुलिस टीम ने सुरक्षा, अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह, परिवार परामर्श केंद्र के प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव, हमराही पूजा व अंजुला त्रिपाठी ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए अपना सीयूजी नंबर भी साझा किया। महिलाओं को बताया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में वे बिना भय के इन नंबरों का उपयोग कर सकती हैं।

अधिकारियों ने महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने और किसी भी परिस्थिति में डरने के बजाय कानून का सहारा लेने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने नारी सशक्तिकरण पर आधारित प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान हर बेटी का अधिकार है और महिलाओं के सशक्त होने से ही समाज और देश मजबूत बनता है।

मार्ग दुर्घटना में अधेड़ गंभीर रूप से घायल

सफीपुर। कस्बे के संजय टी स्टाल के समीप शनिवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पैदल सड़क पार कर रहे अधेड़ मजदूर को अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के खादिम अली खेड़ा गांव निवासी मुन्ना (50) पुत्र मैकू आम के बाग की रखवाली करता है। शनिवार दोपहर वह संजय टी स्टाल के पास सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल मुन्ना को निजी साधन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सफीपुर पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

समाधान दिवस का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शुक्लागंज, उन्नाव। शनिवार को गंगाघाट कोतवाली परिसर में समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें नगर और ग्रामीण क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों का मौके पर निस्तारण करने का प्रयास किया गया। इस दौरान एसएसपी जय प्रकाश सिंह, एएसपी अखिलेश सिंह और सीओ सिटी दीपक यादव ने स्वयं उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनीं।

आयोजन की कमान इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह ने संभाली, जहाँ राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। समाधान दिवस में कुल 6 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 4 मामले राजस्व विभाग से और 2 मामले पुलिस विभाग से संबंधित थे। एसएसपी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस और राजस्व के एक-एक मामले का मौके पर ही निस्तारण करा दिया। शेष 4 मामलों के प्रभावी समाधान के लिए एसएसपी ने संबंधित विभाग के कर्मियों को निर्देशित किया कि वे मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें और समयबद्ध तरीके से समस्याओं का हल निकालें।

नवागत सीओ व नायब तहसीलदार ने सुनी जन समस्याएं

पुरवा-उन्नाव। थाना समाधान दिवस में नवागत पुलिस उपाधीक्षक व नायब तहसीलदार ने कोतवाली में समस्याएं सुनी और शीघ्र निस्तारण हेतु मातहतों को निर्देश दिए। सीओ ने कोतवाली में बने बाल गृह का भी निरीक्षण किया। शनिवार को स्थानीय कोतवाली में थाना समाधान दिवस पर नवागत पुलिस उपाधीक्षक अरविंद चौरसिया व नायब तहसीलदार कृष्णानंद बाजपेई ने फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनके निराकरण हेतु मातहतों को निर्देशित किया। पुरवा में कुल दस मामले आए जिनमें से सात पुलिस व तीन राजस्व के प्रकरण रहे। समाधान दिवस के बाद सीओ अरविंद चौरसिया ने बालगृह का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक भवन सिंह मौर्य, कस्बा इंचार्ज सियाराम चौरसिया समेत पुलिस व राजस्व के कर्मचारी मौजूद रहे।

वंदे मातरम के सुरों से जागृत होती है विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की भावना: आदर्श तिवारी 'आजाद'

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोंडा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की परसपुर नगर इकाई द्वारा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की रचना के गौरवशाली 150 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर नगर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में भव्य सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अभियान के अंतर्गत परसपुर के महर्षि दयानंद वैदिक इंटर कॉलेज, तुलसी स्मारक इंटर कॉलेज तथा महावीर पब्लिक इंटर कॉलेज भंवरीगंज के परिसरों में सामूहिक वंदे मातरम का गायन विधिवत संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित विद्यार्थी परिषद के गोंडा विभाग संयोजक आदर्श तिवारी 'आजाद' ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रगीत के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने वंदे मातरम के 150 वर्षों के स्वर्णिम इतिहास पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार इस गीत ने स्वाधीनता संग्राम के दौरान देश के क्रांतिकारियों के भीतर राष्ट्रभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित की थी और आज भी यह गीत प्रत्येक भारतीय को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रहा है। इस गरिमामयी अवसर पर नगर इकाई के प्रमुख पदाधिकारी भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे, जिनमें नगर मंत्री शिवम मिश्रा, नगर सह मंत्री आनंद सोनी तथा सोशल मीडिया के नगर संयोजक आशुतोष वर्मा ने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मवेशी बांध रही महिला को दबंगों ने मारी गोली

बांदा। दरवाजे के बाहर मवेशी बांध रही महिला को दबंगो ने महिला को गोली मार दी। गोली मारने के बाद वह फरार हो गए। उपचार के लिए उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार छैलकुमारी उम्र 45 वर्ष पत्नी बारेलाल निवासी अंधाव थाना मरका शुक्रवार की रात अपने दरवाजे के बाहर बकरियां बांध रही थी। इसी बीच गांव का ही कृष्णकांत उर्फ मुखिया चार लोगों के साथ आया और मुकदमे में सुलह होने का दबाव बनाने लगा। महिला ने जब सुलह करने से मना कर दिया तो गुस्से में आकर कृष्णकांत ने छैलकुमारी के पहले जांघ में गोली मारी। इसके बाद दो गोली सीने में भी मार दी। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर जमीन में गिर पड़ी। इसी बीच हमलावर मौके से भाग खड़े हुए। शोर शराबा सुनकर परिजन भी पहुंच गए। घटना की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। उपचार के लिए महिला को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

ग्राम अठसरई में लगे कैम्प में भूमि विवादों का त्वरित निस्तारण, 5 मामलों का मौके पर समाधान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। उप जिलाधिकारी सिराथू योगेश कुमार गौड़ एवं क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान अभियान के तहत ग्राम अठसरई में कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया।

उप जिलाधिकारी की मौजूदगी में कुल 5 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। इनमें गाटा संख्या 687 एवं 959 की भूमिधरी भूमि पर कब्जे से जुड़े विवाद शामिल रहे जिन्हें आपसी सहमति एवं प्रशासनिक हस्तक्षेप से सुलझा लिया गया। त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई से सभी शिकायतकर्ता संतुष्ट नजर आये।

कैम्प के दौरान ग्रामीणों को भूमि विवाद से बचाव के उपायों तथा न्यायालय के माध्यम से विवाद निस्तारण की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गयी। उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता और तत्परता के साथ आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया

संक्षिप्त समाचार

सड़क किनारे लगा गूलर का पेड़ दुर्घटना को दे रहा दावत,ग्रामीण ने की आनलाइन शिकायत

गोंडा। जिले के कर्नलगंज तहसील क्षेत्र अन्तर्गत बमडेरा ग्राम पंचायत के मजरा नदईपुरवा में पीडब्ल्यूडी सड़क के किनारे व घर के ऊपर खड़ा विशाल गूलर का पेड़ इन दिनों ग्रामीण परिवार के लिए खतरे का कारण बना हुआ है। पेड़ की बड़ी-बड़ी शाखाएं बिजली सप्लाई लाइन पर झुकी हुई हैं, जिससे कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। ग्रामीण ने बताया कि तेज हवा या बारिश के दौरान पेड़ की शाखाएं टूटकर गिरने का खतरा बना रहता है, सड़क से गुजर रहे लोगों की जान-माल को नुकसान पहुंच सकता है। यही नहीं इस सड़क से सैकड़ों वहनों का आवागमन होता है जिससे कभी भी लोग दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। पीड़ित ग्रामीण ने इस संबंध में आईजीआरएस पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। ग्रामीण रामजी पांडेय ने प्रशासन से जल्द से जल्द पेड़ की छंटाई या कटान कराने की मांग की है, ताकि संभावित हादसे को टाला जा सके।

वीआईपी ड्यूटी के दौरान दारोगा की हार्ट अटैक से मौत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में तैनात एक दारोगा की शनिवार को वीआईपी ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। इस घटना से पुलिस विभाग में शोक की लहर है। चिकित्सकों का कहना है कि हृदय गति रुकने से उनका निधन हुआ है। पुलिस उपायुक्त यमुना नगर विवेक चन्द्र यादव ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि उपनिरीक्षक नकछेद नाथ कनौजिया मूलरूप से अयोध्या जनपद के निवासी थे।

पड़री मल्ल में ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

देवरिया। जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पार करते समय शनिवार को ट्रेन के चपेट में आने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना चकियवा रेलवे ढाला को पार करते समय दुर्घटना हुई। मृतका की पहचान संकेसिया देवी (50) पत्नी राम भरोसे प्रसाद, निवासी गौर कोठी, बरियारपुर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक वह अपने रिश्तेदार के घर पिपरा बैरोना गई थीं। वहां से वापस लौट रही थीं। पड़री मल्ल के पास रेलवे ढाला पार करने के दौरान ट्रेन की चपेट में आ गईं। परिजनों के अनुसार संकेसिया देवी को कम सुनाई देता था, जिससे संभवतः उन्हें ट्रेन के आने का आभास नहीं हो सका और यह हादसा हो गया।

श्री दयानंद आर्य वैदिक इंटर कॉलेज की प्रबंध समिति का चुनाव संपन्न, राजकुमारी निर्विरोध प्रबंधक चुनी गईं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वजीरगंज, गोंडा। कस्बे के श्री दयानंद आर्य वैदिक इंटर कॉलेज परिसर में प्रबंध समिति का चुनाव शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया के दौरान सभी पदों पर सर्वसम्मति बनी, जिसके चलते कई पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। चुनाव में श्रीमती राजकुमारी को निर्विरोध प्रबंधक चुना गया।

उनके चयन पर विद्यालय परिवार, समिति सदस्यों एवं क्षेत्रीय लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है। इसके अलावा अन्य पदाधिकारियों में शैलेश कौशल, मंजू, विश्राम सागर कौशल, वीरेंद्र कुमार कौशल, हरीश कुमार कौशल एवं राजेंद्र सोनी का चयन किया गया। प्रबंध समिति के अन्य सदस्यों में गीता, संतोष देवी गुप्ता एवं सत्यनारायण शर्मा को चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने विद्यालय के शैक्षिक विकास, अनुशासन व्यवस्था एवं छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। चुनाव सम्पन्न होने के बाद समर्थकों एवं शुभचिंतकों ने सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी।

मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत कर्नलगंज पुलिस ने विद्यालय में चलाया जागरूकता अभियान

कर्नलगंज, गोण्डा। उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल के निर्देशन में शनिवार को थाना कोतवाली कर्नलगंज क्षेत्र में मिशन शक्ति अभियान 5.0 (तृतीय चरण) के अंतर्गत एंटी रोमियो एवं मिशन शक्ति टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र प्रताप राय के नेतृत्व में टीम प्राथमिक विद्यालय गोनवा पहुंची, जहां छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं ग्रामीणों को महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने शासन द्वारा प्रत्येक थाने पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र की जानकारी देते हुए महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों 112 (आपातकालीन सहायता), 1090 (महिला हेल्पलाइन), 181 (महिला सहायता/घरेलू हिंसा) तथा 1930 (साइबर हेल्पलाइन) के बारे में बताया। साथ ही जरूरत पड़ने पर तत्काल इन सेवाओं का उपयोग करने की अपील की गई।

कर्नलगंज के भैरवनाथ पुरम में भीषण आग, मची अफरा-तफरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कर्नलगंज, गोण्डा। तहसील मुख्यालय स्थित कर्नलगंज कस्बे के भैरवनाथ पुरम मोहल्ले में शनिवार दोपहर अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की तेज लपटों ने देखते ही देखते आसपास के लोगों के होश उड़ा दिए। घटना के बाद मोहल्ले में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। घनी आबादी वाले क्षेत्र में आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बाल्टी, पाइप और अन्य संसाधनों के सहारे आग बुझाने में जुट गए। सूचना पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। घटना स्थल के पास मोबाइल टॉवर लगा होने से लोगों में और अधिक दहशत का माहौल बना रहा। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया गया तो बड़ा हादसा हो सकता था। सबसे बड़ी समस्या संकरे रास्ते की रही, जिसके कारण बड़ा दमकल वाहन मौके तक नहीं पहुंच सकता है। ऐसे में दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल दमकल विभाग और स्थानीय लोगों के संयुक्त प्रयास से आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, मंडल रेल प्रबंधक, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	ई-निविदा सूचना सं0	1215-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता – उत्तर रेलवे- लखनऊ दिनांक – 09.04.2026
2.	कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अंतर्गत [illegible] में प्रकाश व्यवस्था के संबंध में विद्युत कार्य।
3.	अनुमानित लागत	रु. 65,68,773.47 [illegible]
4.	ई-निविदा की कीमत	शून्य
5.	बयाना राशि	रु. 1,31,400/– (एक लाख इकतीस हजार चार सौ रुपये मात्र)
6.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	04 माह।
7.	ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 04.05.2026 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8.	प्रस्ताव की वैधता	ई-निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
9.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देख की जा सकती है।

सं. 1215-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता – उत्तर रेलवे- लखनऊ दिनांक – 09.04.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1193/26

मियांपुर अब 'रविंद्र नगर' के रूप में जाना जाएगा : मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- विधायक रोमी साहनी ने मुख्यमंत्री के समक्ष उठाए पलिया के विकास मुद्दे

लखीमपुर खीरी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखीमपुर खीरी जनपद को विकास की बड़ी सौगात देते हुए 817 करोड़ रुपये की 314 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मोहम्मदी तहसील क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मियांपुर गांव का नाम बदलकर 'रविंद्र नगर' करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मियांपुर गांव अब गुरुदेव रवींद्र नाथ ठाकुर के नाम पर 'रविंद्र नगर' के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने इसे क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त करने वाला कदम बताया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर बसे बंगाली हिंदू परिवारों को भूमि का मालिकाना हक प्रदान किया। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को भी लाभ वितरित किया गया। इस अवसर पर 4356 थारू परिवारों और 2350 विस्थापित परिवारों को भूमि स्वामित्व के अधिकार पत्र सौंपे गए, जिससे वर्षों से भूमि पर रह रहे इन परिवारों को वैधानिक अधिकार प्राप्त हो सके। इससे पूर्व पलियाकलां के चंदनचौकी में आयोजित कार्यक्रम में भी मुख्यमंत्री ने 4356 थारू परिवारों को 538 हेक्टेयर भूमि के स्वामित्व संबंधी अधिकार पत्र प्रदान किए। वर्ष 1976 से यह परिवार भूमि का उपयोग कर रहे थे, लेकिन अब उन्हें इसका पूर्ण मालिकाना हक मिल गया है। इसके साथ ही सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया। मुख्यमंत्री ने

अपने संबोधन में कहा कि सच्चा शासन वही होता है, जहां प्रजा सुखी रहती है। उन्होंने कहा कि सरकार की संवेदनशीलता और बिना भेदभाव के कार्य करने की नीति के कारण ही आज हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। साथ ही उन्होंने विभाजनकारी और तुष्टिकरण की राजनीति पर भी तीखा प्रहार किया।

पलिया क्षेत्र के विकास को लेकर विधायक रोमी साहनी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष विभिन्न महत्वपूर्ण समस्याओं और मांगों को प्रभावी ढंग से रखा। उन्होंने क्षेत्र की उपेक्षित अवस्थाओं का उल्लेख करते हुए त्वरित समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। विधायक रोमी साहनी ने अपने संबोधन में कहा कि पलिया क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष योजनाओं की जरूरत है। उन्होंने मुख्यमंत्री से क्षेत्र को प्राथमिकता में रखते हुए आवश्यक परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध किया। उन्होंने पलिया को जिला मुख्यालय घोषित किए जाने की मांग करते हुए कहा कि इससे प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होगी और आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इसके साथ ही उन्होंने रोडवेज बस स्टैंड के निर्माण की आवश्यकता बताई, जिससे आवागमन सुगम हो सके।

युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए विधायक ने पलिया में आधुनिक स्टेडियम की स्थापना की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि खेल सुविधाओं के अभाव में क्षेत्र के युवाओं की प्रतिभा प्रभावित हो रही है। भूमि संबंधी समस्याओं का जिक्र करते हुए विधायक ने कहा कि क्षेत्र में भूमि खरीद-फरोख्त में आ रही बाधाओं को दूर किया जाना आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने अपनी विधायक निधि से ?5 करोड़ देने का प्रस्ताव भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा, ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। इसके अलावा विधायक ने चकबंदी में फंसे पंचायत ग्रांट संख्या-3 के मामले को भी प्रमुखता से उठाया और उसके शीघ्र निस्तारण की मांग की। उन्होंने सुआबोझ क्षेत्र की समस्याओं को भी मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाते हुए उनके समाधान की अपेक्षा जताई। विधायक की इस पहल से क्षेत्र में विकास को लेकर नई उम्मीद जगी है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि इन मांगों पर शीघ्र निर्णय लिया जाता है, तो पलिया क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मैलानी का उल्लेख, नगरवासियों में खुशी की लहर

मैलानी खीरी। देश के प्रमुख मुख्यमंत्रियों में शामिल योगी आदित्यनाथ द्वारा नगर पंचायत मैलानी का नाम अपने संबोधन में लिए जाने से क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। इसे नगरवासियों के लिए एक ऐतिहासिक और सम्मानजनक क्षण माना जा रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष कीर्ति महेश्वरी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे नगर के लिए सौभाग्य की बात है कि प्रदेश के मुखिया ने मैलानी का उल्लेख कर उसे विशेष पहचान दी है। उन्होंने तहे दिल से मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए इसे नगर के सम्मान से जोड़ा। इस दौरान अध्यक्ष कीर्ति महेश्वरी ने मुख्यमंत्री को नगर पंचायत की प्रमुख समस्याओं से भी अवगत कराया। उन्होंने रोडवेज बस स्टैंड की स्थापना, मुख्य मार्गों के चौड़ीकरण, युवाओं के लिए स्टेडियम निर्माण तथा आस्था के केंद्र रहे प्रसिद्ध ह्लमढ़ा बाबाङ्क मंदिर को पुनः खोले जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। बताया गया कि इन सभी मुद्दों के संबंध में मुख्यमंत्री को एक विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा गया है, जिसमें नगर के विकास से जुड़े विभिन्न बिंदुओं को शामिल किया गया है। अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन एवं सहयोग से नगर पंचायत मैलानी का सर्वांगीण विकास शीघ्र ही सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की जनहितकारी नीतियों का लाभ अब मैलानी क्षेत्र को भी व्यापक रूप से मिलेगा। नगरवासियों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि जल्द ही नगर की प्रमुख समस्याओं का समाधान होगा और मैलानी विकास की नई राह पर आगे बढ़ेगा इस अवसर पर गुरमीत कौर, समाज सेवी भवानी शंकर माहेश्वरी मौजूद रहे।

योग से सजे स्वास्थ्य के स्वर, छाउछ विद्यालय में गूंजा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का काउंटडाउन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 की तैयारियां जिले में जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में शनिवार को संविलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय, छाउछ-खीरी में 71-दिवसीय काउंटडाउन अभियान के अंतर्गत एक प्रेरणादायी योग सत्र का आयोजन किया गया। योग रंजन फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम ने पूरे विद्यालय परिसर को सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य चेतना से सराबोर कर दिया। प्रातःकालीन बेला में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने एक साथ योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. सुमन्त कुमार के मार्गदर्शन तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुरेन्द्र कुमार सिंह के संयोजन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, योग वेलनेस सेंटर महेवागंज के योग प्रशिक्षक प्रिंस रंजन एवं योग सहायक राजदीपिका तिवारी ने छात्रों को श्वास-प्रश्वास की तकनीकों और विभिन्न योगासनों का प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय स्टाफ को 'योग 365' अभियान के तहत 14 दिवसीय ऑनलाइन योगाभ्यास श्रृंखला की जानकारी दी गई। योग रंजन फाउंडेशन के अमूलदीप तिवारी का विशेष योगदान रहा। प्रशिक्षकों ने योग के साथ-साथ प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों और संतुलित आहार-विहार के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जिससे विद्यार्थी शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बन सकें। विद्यालय के प्रधानाचार्य गुफरान अहमद ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य योग को युवाओं की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका गीता रानी, मंजुला बरनवाल सहित समस्त स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा। विद्यार्थियों में इस योग सत्र को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और उन्होंने भविष्य में भी नियमित योग करने का संकल्प लिया।

देवरिया में अधिवक्ता की मौत पर सख्त कार्रवाई, एसडीएम बरहज निलंबित

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में बरहज थाना क्षेत्र में अधिवक्ता विजेंद्र सिंह की मौत के मामले में प्रदेश सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए बरहज के एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी को निलंबित कर दिया है। शासन ने प्रथम दृष्टया लापरवाही मानते हुए उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी जारी किए हैं। यह मामला बरहज तहसील के ग्राम लक्ष्मीपुर से जुड़ा है, जहां राजस्व अभिलेखों में दर्ज नाली और नलकूप की जमीन पर पक्की सड़क निर्माण को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान एसडीएम और अधिवक्ता विजेंद्र सिंह के बीच तीखी बहस हुई। आरोप है कि एसडीएम की फटकार के बाद अधिवक्ता को दिल का दौरा पड़ा, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद प्रशासन ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की थी, जिसमें अपर आयुक्त प्रशासन, पुलिस अधीक्षक नगर और अपर जिलाधिकारी नगर गोरखपुर शामिल थे। समिति ने अपनी रिपोर्ट में एसडीएम की भूमिका को प्रथम दृष्टया संदिग्ध मानते हुए लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया।

युवराज दत्त पीजी कॉलेज में फुले जयंती पर संगोष्ठी

'क्रांति ज्योति' के विचार आज भी प्रासंगिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। ज्योतिराव फुले की जयंती के अवसर पर युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बी.एड. विभाग द्वारा शुक्रवार को ह्लमहात्मा ज्योतिबा राव फुले का जीवन-दर्शन एवं सामाजिक क्रांतिङ्क विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को फुले के प्रगतिशील विचारों एवं सामाजिक चेतना से जोड़ना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ बी.एड. प्रशिक्षुओं द्वारा फुले के जीवन संघर्ष और उपलब्धियों पर आधारित प्रस्तुति से हुआ। मुख्य वक्ता दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाष चंद्रा ने अपने संबोधन में कहा कि ज्योतिराव फुले ने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर समाज में व्याप्त कुरीतियों, अंधविश्वासों और भेदभाव के विरुद्ध सशक्त आंदोलन चलाया। उन्होंने सभी वर्गों के लिए समान शिक्षा के

अधिकार की वकालत की और स्त्री-शिक्षा को बढ़ावा दिया। उनके विचार आज भी समाज को दिशा देते हैं, इसीलिए उन्हें 'क्रांति ज्योति' कहा जाता है। संगोष्ठी का संचालन बी.एड. विभागाध्यक्ष प्रो. विशाल द्विवेदी ने किया। उन्होंने बीज वक्तव्य में फुले के विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान सामाजिक चुनौतियों का समाधान उनके समतामूलक दृष्टिकोण में निहित है। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) हेमंत पाल ने फुले के आदर्शों को आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि उनके विचार सामाजिक समरसता और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में मार्गदर्शक हैं। साथ ही युवाओं से आह्वान किया कि वे समकालीन समस्याओं के समाधान हेतु फुले के विचारों को आत्मसात करें। कार्यक्रम में प्रो. सत्यनाम, श्री धर्म नारायण सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। संगोष्ठी के दौरान फुले के सामाजिक न्याय, शिक्षा और समता के संदेश को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

स्टेशन उप प्रबंधक सहित चार रेल कर्मियों को नोटिस

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मंडल रेल प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे झांसी ने शनिवार को अपराह्न 3 बजे यमुना साउथ बैंक एवं सुमेरपुर रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जनरेटर रूम, जेई सिग्नल रूम, ड्यूटी रूम टेलीकॉम, वेटिंग रूम के साथ रेलवे स्टेशन के संचालन रूम आदि का निरीक्षण किया। आईपीएस बैटरी रूम बंद पाए जाने तथा सिग्नल सिस्टम में खामियों को देखकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सहायक स्टेशन मास्टर सहित अन्य सम्बंधित को नोटिस देने का आदेश देकर जवाब मांगा है। शनिवार को अपराह्न 3 बजे मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने यमुना साउथ बैंक रेलवे स्टेशन के पास यमुना नदी पर बन रहे नए रेलवे पुल का निरीक्षण किया। इसके बाद वह कस्बे के रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने रेलवे संचालन की व्यवस्थाओं का गहनता के साथ निरीक्षण किया। आईपीएस बैटरी रूम बंद होने तथा स्टेशन के संचालन रूम में सिग्नल सिस्टम में खामियां पाये जाने पर सहायक स्टेशन मास्टर विनय कुमार सहित अन्य को कड़ी फटकार लगाते हुए नोटिस देने के निर्देश दिए।

भाजपा का गाँव,बस्ती चलो अभियान का आगाज, तुर्कीखेड़ा में सदस्यता अभियान

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भारतीय जनता पार्टी के गाँव, बस्ती चलो अभियान के तहत मैलानी मण्डल क्षेत्र में अभियान का शुभारंभ किया गया। ग्राम पंचायत बेलवा के तुर्कीखेड़ा में कार्यकर्ताओं द्वारा सदस्यता अभियान चलाकर ग्रामीणों से संपर्क साधा गया। अभियान के दौरान मण्डल महामंत्री मिथलेश मिश्रा, मण्डल उपाध्यक्ष सुमित अवस्थी तथा पूर्व प्रधान एवं प्रदेश सचिव (प्रधान संघ) प्रमोद वर्मा उर्फ शेरू ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर शंकर मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। साथ ही वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के तहत डोर-टू-डोर जाकर लाभार्थियों से संपर्क किया गया और भारतीय जनता पार्टी के 47 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संगठन की नीतियों, उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने और सरकार की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

पेड़ी फसल में अधिक पैदावार के लिए आरएमडी मशीन का वितरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड की यूनिट गोला द्वारा अपने मिल क्षेत्र के किसानों को पेड़ी प्रबंधन हेतु आधुनिक कृषि यंत्र (आरएमडी) का वितरण किया गया। इस अवसर पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गोला आशुतोष मधुकर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। आशुतोष मधुकर ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कई किसान पेड़ी गन्ने की फसल में सिंचाई, गुड़ाई व अन्य आवश्यक कार्य नहीं करते और उसे प्राकृतिक परिस्थितियों पर छोड़ देते हैं, जिससे पैदावार प्रभावित होती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे इस मशीन का उपयोग कर अपने खेतों में बेहतर उत्पादन प्राप्त करें। वरिष्ठ महाप्रबंधक (गन्ना) पी.एस. चतुर्वेदी ने बताया कि आरएमडी मशीन किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी

सिद्ध होगी और पेड़ी गन्ने की पैदावार बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि यह मशीन एक ही बार में पेड़ी के ठूंठों की जमीन की सतह से कटाई, पुरानी जड़ों को तोड़ना, लाइनों के बीच गुड़ाई, उर्वरक डालना तथा ठूंठों पर स्प्रे जैसे सभी आवश्यक कार्य कर देती है। उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ती श्रमिक समस्या को देखते हुए यह मशीन किसानों के लिए पेड़ी प्रबंधन में बहुउपयोगी साबित होगी।

कार्यक्रम के दौरान मिल गेट पर प्रगतिशील किसान महेन्द्र साहनी (ग्रांट नंबर-3) एवं तनवीर सिंह (हीरपुर फार्म) को आरएमडी मशीन प्रदान की गई।

इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक (गन्ना) ओ.डी. शर्मा, प्रबंधक गन्ना सत्येन्द्र कुमार मिश्र, संजीव चौधरी, उप प्रबंधक गन्ना सुनील सिंह तथा सहायक प्रबंधक गन्ना अनूप मिश्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वैश्य समाज संगठन ने बनाई रणनीति

- शरद गुप्ता 'सोनू' बने नगर अध्यक्ष, सुमित गुप्ता युवा नगर अध्यक्ष मनोनीत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। वैश्य समाज संगठन उत्तर प्रदेश की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष राजेश गुप्ता के आवास पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजू अग्रवाल ने की। बैठक में आगामी 22 अप्रैल को जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले वैश्य व्यापारी संगठन के प्रादेशिक कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर रणनीति बनाई गई। वक्ताओं ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए गोला विधानसभा क्षेत्र से अधिक से अधिक व्यापारियों एवं समाज के

लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कार्यकर्ताओं को घर-घर संपर्क कर लोगों को जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से नगर कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इस दौरान शरद गुप्ता 'सोनू' को नगर अध्यक्ष (गोला) तथा सुमित गुप्ता को युवा नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। दोनों ने संगठन के हित में पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंडल संरक्षक अरविंद गुप्ता 'रामजी', लखीमपुर नगर अध्यक्ष श्यामू गुप्ता, मंडल संगठन मंत्री ईशान गुप्ता, युवा जिलाध्यक्ष आदित्य गुप्ता, युवा जिला उपाध्यक्ष अनूप गुप्ता सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में वरिष्ठ व्यापारी मनोज गुप्ता, रामनिवास गुप्ता, विधानसभा कोषाध्यक्ष डॉ. नीलम गुप्ता, रामकृष्ण गुप्ता सहित पत्रकार बंधु प्रमोद गुप्ता, संजीव गुप्ता, नीरज गुप्ता, प्रभात श्रीवास्तव और उत्कर्ष गुप्ता समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सांसद उत्कर्ष वर्मा की पहल रंग लाई

ग्रांट एक्ट भूमि पर मालिकाना हक की प्रक्रिया शुरू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। क्षेत्रीय सांसद उत्कर्ष वर्मा द्वारा संसद में उठाया गया ग्रांट एक्ट भूमि का मुद्दा अब धरातल पर असर दिखाने लगा है। एक वर्ष पूर्व लोकसभा में उठाई गई यह आवाज अब केंद्र और राज्य सरकार के स्तर पर ठोस कार्रवाई में बदलती नजर आ रही है। इससे वर्षों से इस भूमि पर निवास कर रहे हजारों परिवारों में मालिकाना हक मिलने की नई उम्मीद जाग उठी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सांसद उत्कर्ष वर्मा ने 27 मार्च 2025 को लोकसभा के शून्यकाल के दौरान हरिजन कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाली ग्रांट एक्ट भूमि पर रह रहे बंगाली, हरिजन एवं जनजातीय किसानों को स्वामित्व अधिकार प्रदान किए जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने सदन में स्पष्ट रूप से कहा था कि लंबे समय से इन परिवारों को भूमि पर अधिकार न मिलने के कारण वे मूलभूत सुविधाओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है जो कि सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। सांसद द्वारा उठाए गए इस महत्वपूर्ण विषय पर केंद्र सरकार ने गंभीरता दिखाते हुए कार्रवाई प्रारंभ की। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग एवं संचार मंत्रालय के स्तर से इस मुद्दे पर विचार किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया कि संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार भूमि से संबंधित विषय राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इसके बावजूद केंद्र सरकार ने 24 अप्रैल 2025 को इस मामले को उत्तर प्रदेश सरकार को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित कर दिया।

अब राज्य सरकार द्वारा इस दिशा में प्रक्रिया को तेज किए जाने से क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना हुआ है। प्रशासनिक स्तर पर कार्यवाही आगे बढ़ने से उन परिवारों में आशा की नई किरण जगी है, जो दशकों से ग्रांट एक्ट भूमि पर निवास कर रहे हैं और वैधानिक अधिकार के अभाव में अस्थिर जीवन जीने को मजबूर थे। मालिकाना हक मिलने से इन परिवारों को न केवल स्थायित्व प्राप्त होगा, बल्कि वे आवास, बिजली, पानी, शौचालय जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी पूरी तरह से उठा सकेंगे। इसके साथ ही क्षेत्र में आधारभूत ढांचे के विकास कार्यों को भी गति मिलने की संभावना प्रबल हो गई है, जिससे समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। स्थानीय लोगों ने सांसद उत्कर्ष वर्मा के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे ऐतिहासिक और जनहितकारी कदम बताया है। उनका कहना है कि यह पहल वर्षों पुरानी समस्या के समाधान की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित हो रही है। लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही सभी पात्र परिवारों को कानूनी रूप से भूमि का स्वामित्व प्राप्त होगा और उनका जीवन स्तर बेहतर होगा यह पहल न केवल सामाजिक न्याय को सुदृढ़ करेगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

तीस लाख का लालच देकर लगाया 30 हजार का चूना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हाथरस। क्षेत्र के गीगला गांव में पिता-पुत्र पुराने 5 रुपये के नोट के बदले 30 लाख रुपये मिलने के लालच में साइबर ठगी का शिकार हो गए। ठगों ने उनसे अलग-अलग किस्तों में 30 हजार रुपये ठग लिए। पीड़ितों ने इस संबंध में साइबर क्राइम ब्रांच और सादाबाद कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित पंचम सिंह ने बताया कि उनके बेटे नितिन को फ़ेसबुक पर पुराने ट्रैक्टर वाले 5 रुपये के नोट से जुड़ा एक विज्ञापन दिखा। इसमें दावा किया गया था कि ऐसे नोट के बदले लाखों रुपये मिल सकते हैं। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर सम्पर्क करने पर ठग ने 30 लाख रुपये देने का झांसा दिया। ठग ने पहले रजिस्ट्रेशन और आईडी बनाने के नाम पर 550 रुपये मांगे। नितिन ने ऑनलाइन ऐप के माध्यम से यह राशि भेज दी और अपना आधार कार्ड भी साझा किया।

मैलानी नगर पंचायत में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, उत्तराखंड के कलाकारों ने बांधा समां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। नगर पंचायत मैलानी में दिनांक 11 अप्रैल 2026 को आयोजित मेले के अंतर्गत भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगरवासियों ने भाग लेकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद उठाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मी गुप्ता उपस्थित रही, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में कमलजीत सिंह ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष कीर्ति महेश्वरी, समाजसेवी शंकर महेश्वरी एवं गुरमीत कौर सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड से आए कलाकारों ने अपनी आकर्षक

और मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सुंदर झांकियों और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे मेला स्थल को उत्साह और उल्लास से भर दिया।

कार्यक्रम में लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। देर रात तक चले इस सांस्कृतिक आयोजन में लोगों की भारी भीड़ उमड़ती रही और सभी ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया नगरवासियों ने इस तरह के आयोजनों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

एलएसजी के लिए घरेलू रिकॉर्ड चिंता का विषय, गुजरात के खिलाफ लय बनाने की करेगा कोशिश

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को मुकुल चौधरी के रूप में एक नया स्टार मिल गया है, लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले से पहले उसके लिए घरेलू मैदान पर खराब रिकॉर्ड बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। एलएसजी और गुजरात टाइटंस ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा होगा। गुजरात ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज की थी जिससे उसने अपना खाता भी खोला। एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत दर्ज की। हालांकि एलएसजी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। उसे अगर इसे अपना मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। एलएसजी ने पिछले सत्र में यहां खेले गए आठ मैचों में से छह में हार झेली थी। इसमें लगातार पांच मैचों में हार शामिल हैं। यही कारण रहा कि वह पिछले साल सातवें स्थान पर रहा था। उसने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में ही जीत हासिल की है। मौजूदा सत्र में भी उसके घरेलू मैदान पर पहले मैच में बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और दिल्ली कैपिटल्स ने उसे 141 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत हासिल की थी। एलएसजी का यह घरेलू मैदान पर इस सत्र का दूसरा मैच होगा और वह यहां अपना जीत का रिकॉर्ड सुधारने के लिए बेताब होगा। एलएसजी का केकेआर के खिलाफ पिछला मैच विशेष रूप से यादगार रहा, जिसमें मुकुल के रूप में एक नए 'फिनिशर' का उदय हुआ। राजस्थान के 21 वर्षीय बल्लेबाज मुकुल ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और अपने आदर्श महेंद्र सिंह धोनी का पसंदीदा हेलीकॉप्टर शॉट सहित कई तरह के शॉट लगाकर क्रिकेट जगत का अपनी तरफ खींचा। एलएसजी के लिए एक और सकारात्मक पहलू आयुष बडोनी की फॉर्म में वापसी है, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया था। इस तरहसे एलएसजी का बल्लेबाजी क्रम काफी मजबूत नजर आ रहा है जिसमें मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, कप्तान ऋषभ पंत और निकोलस पूरन भी शामिल हैं। यह मैच दोपहर में खेला जाएगा और यहां की धीमी पिच पर गुजरात के राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर का मुकाबला करना आसान नहीं होगा। राशिद ने दिल्ली के खिलाफ 17 रन देकर तीन विकेट लिए और अपनी टीम की एक रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। राशिद पिछले साल अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और इसलिए वह आलोचकों के निशाने पर थे लेकिन पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन से उन्होंने करारा जवाब दिया। गुजरात टाइटंस के लिए इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी जोस बटलर की फॉर्म में वापसी और कप्तान शुभमन गिल का चोट से उबरकर अर्धशतक जमाना सकारात्मक संकेत हैं।

विस्फोटक बल्लेबाजी कर सूर्यवंशी ने किया ऑरेंज कैप पर कब्जा

एजेंसी

गुवाहाटी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 26 गेंदों में 78 रनों की विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। शुक्रवार रात खेले गये इस मुकाबले में जितने शानदार सूर्यवंशी रहे हैं, उनके सहयोगी यशस्वी जायसवाल भी उतने ही बेहतरीन हैं। इस मैच में उन्होंने 8 गेंदों में 13 रन बनाये। और वह सर्वाधिक रन बनाने वालों दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। लेकिन दोनों के बीच मात्र 17 रन का अंतर है और उनके कुल 183 रन हैं। इसके अलावा शीर्ष तीन में आरआर का पूरा कब्जा बनाते हुए ध्रुव जुरेल तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ बनाए गए 75 रन के बाद आरसीबी के खिलाफ भी 43 गेंदों में नाबाद 81 रन की शानदार पारी खेली। इस मामले में दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी 160 रन के साथ और कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृष रघुवंशी 155 रन के साथ शीर्ष पांच में हैं। पर्पल कैप तालिका में भी आरआर शीर्ष पर है, जहां रवि बिश्नोई ने दो विकेट और जोड़कर कुल नौ विकेट कर लिए हैं। यह इस सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा के विकेटों की संख्या से तीन अधिक हैं। बिश्नोई ने आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आर आर की गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई की है। पी कृष्णा के पीछे पांच विकेट के साथ नौ गेंदबाजों का एक समूह है। इसमें पंजाब किंग्स के विजयकुमार वैशाख, कृष्णा के टीम साथी राशिद खान, दिल्ली कैपिटल्स के लुंगी एनगिडी, लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव, आरसीबी के जैकब डफी, केकेआर के वैभव अरोड़ा, चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज और आरआर के दो अन्य गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

यह सिर्फ एक नंबर है, किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिये तैयार : तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी को लेकर जुरेल

गुवाहाटी। आईपीएल के इस सत्र में चार पारियों में दो अर्धशतक लगा चुके विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करके खुश हैं हालांकि उन्होंने कहा कि यह महज एक 'नंबर' है और वह किसी भी क्रम पर उतरने के लिये तैयार हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जुरेल उस समय क्रीज पर आये जब राजस्थान रॉयल्स का स्कोर एक विकेट पर 21 रन था। जुरेल ने 43 गेंद में नाबाद 81 रन बनाकर टीम को लगातार चौथी जीत दिलाई। जुरेल ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' मैं पिछले साल पांचवें छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहा था। आखिर में तो लक्ष्य मैच जीतना होता है। प्रबंधन ने मुझ पर भरोसा करके तीसरे नंबर पर भेजा है। उन्होंने कहा ,'' यह महज एक नंबर है। मैं कोई विशेष नंबर नहीं चाहता। मेरा स्वभाव ऐसा ही है। अगर मुझे आठवें नौवें नंबर पर भी भेजेंगे तो मैं योगदान देकर खुश रहूंगा। टीम को जहां मेरी जरूरत है, मैं तैयार हूं। रॉयल्स के लिये वैभव सूर्यवंशी ने 26 गेंद में 78 रन बनाये। जुरेल ने कहा ,'' जब मैं तीसरे नंबर पर उतरता हूं तो वह मेरा काम आसान कर देता है। वैभव हर गेंद पर पीट रहा था और उसे देखकर आपको लगता है कि विकेट में कुछ नहीं है। क्रिकेट उतना आसान नहीं है जितना वह बना देता है। उन्होंने कहा ,'' जब आपको पता है कि वह गेंद को बखूबी पीट रहा है और दबाव भी है कि वह इतना अच्छा खेल रहा है और मुझे भी कुछ करना है। ऐसे में भी आसानी होती है क्योंकि आपको लगता है कि वह इतना अच्छा खेल रहा है तो मैं भी खेल सकता हूं।''

मास्टर्स गोल्फ़ प्रतियोगिता में रॉरी मैकइलरॉय की धमाकेदार बढ़त, अक्षय भाटिया बाहर

नई दिल्ली। ऑगस्टा में जारी प्रतिष्ठित मास्टर्स गोल्फ़ प्रतियोगिता के आधे चरण के बाद मुकाबले ने रोमांचक मोड़ ले लिया है। रॉरी मैकइलरॉय ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए छह शॉट की रिकॉर्ड बढ़त बना ली है, जबकि अक्षय भाटिया निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कट पार करने में नाकाम रहे। मैकइलरॉय ने दूसरे दौर में सात अंडर पैंसठ का बेहतरीन स्कोर बनाया और कुल बारह अंडर एक सौ बत्तीस के स्कोर के साथ शीर्ष पर मजबूत पकड़ बना ली। यह मास्टर्स के इतिहास में मध्य चरण तक की सबसे बड़ी बढ़त मानी जा रही है। अंतिम सात होल में उन्होंने छह बर्डी लगाकर बाकी खिलाड़ियों से बड़ी दूरी बना ली। उनके प्रदर्शन में अनुभव और दबाव में संयम साफ झलका। कुछ खराब टी-शॉट के बावजूद उन्होंने समझदारी से खेलते हुए खुद को संभाला और छोटे शॉट्स में बेहतरीन सटीकता दिखाई। अब वह ग्रीन जैकेट की ओर बढ़ते दिख रहे हैं और लगातार खिताब जीतने वाले महान खिलाड़ियों जैक निकलॉस, निक फाल्डो और टाइगर वुड्स की सूची में शामिल होने की राह पर हैं। दूसरे स्थान पर पैट्रिक रीड और सैम बर्न्स हैं, जो मैकइलरॉय से छह शॉट पीछे हैं। रीड ने उनहत्तर का स्कोर बनाया लेकिन आख़िरी होल में बोगी के कारण पिछड़ गए। वहीं सैम बर्न्स ने अंतिम दो होल में बर्डी लगाकर इकहत्तर का स्कोर किया। कट पार करने की होड़ में कई बड़े नाम बाहर हो गए, जिनमें अक्षय भाटिया सबसे प्रमुख रहे। पहले दौर में तिहत्तर के स्कोर के बाद उन्होंने दूसरे दौर में अच्छी शुरुआत की, लेकिन पिछले नौ होल में तीन डबल बोगी के कारण उनकी उम्मीदें टूट गईं। अंतिम होल पर डबल बोगी ने उनकी वापसी की सारी संभावनाएं खत्म कर दीं। आरोन राय ने कठिन दौर के बावजूद टूर्नामेंट में बने रहने में सफलता पाई। लगातार तीन बोगी के बाद उन्होंने लगातार सात पार खेलते हुए चौहत्तर का स्कोर बनाया और कुल एक ओवर के साथ बत्तीसवें स्थान पर रहे। जस्टिन रोज़, शेन लोवरी और टॉमी फ्लीटवुड पाँच अंडर के स्कोर के साथ चुनौती पेश कर रहे हैं। फ्लीटवुड ने अड़सठ के दौर में दो ईगल लगाए, जबकि रोज़ ने पुटिंग में संघर्ष के बावजूद उनहत्तर का स्कोर किया। ब्रायसन डीशैम्बो भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पहले दौर में छिहत्तर के बाद वह कट के आसपास थे, लेकिन अठारहवें होल पर ट्रिपल बोगी ने उनकी उम्मीदें खत्म कर दीं। अब सभी की निगाहें रॉरी मैकइलरॉय पर हैं, जो शानदार लय में हैं और सप्ताहांत के अंतिम दो दौर में खिताब के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं।

पंजाब से 155 लाख टन अनाज उठाने के लिए केंद्र विशेष ट्रेनें चलाएगा: भगवंत मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र राज्य में लगभग 155 लाख टन गेहूं और चावल उठाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाने पर सहमत हो गया है। इससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी और रबी विपणन सत्र से पहले भंडारण की समस्या कम होगी। मान ने दिल्ली में केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इस फैसले से गोदामों में जगह बनाने और चालू सत्र के दौरान गेहूं की आसानी से खरीद सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब भंडारण जगह की भारी कमी का सामना कर रहा है क्योंकि इसके ज्यादातर छत वाले गोदाम पहले से ही भरे हुए हैं, जबकि मौजूदा रबी सत्र के दौरान लगभग 130-132 लाख टन गेहूं की खरीद की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य केंद्र से अनाज की आवाजाही में तेजी लाने का आग्रह कर रहा है, क्योंकि मौजूदा उठाव लगभग पांच लाख टन प्रति माह है, जो काफी नहीं है। उन्होंने मांग की कि इसे बढ़ाकर कम से कम 12 लाख टन हर महीने किया जाना चाहिए। मान ने ग्रामीण विकास कोष (आरडीएफ) के तहत लंबित 9,000 करोड़ रुपये का मुद्दा भी उठाया। मुख्यमंत्री के अनुसार केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया है कि इस मामले को सुलझाने के लिए जल्द ही सचिव स्तर की बैठक होगी। उन्होंने कहा कि पंजाब से नकद ऋण पर केंद्र के मुकाबले ज्यादा ब्याज लिया जा रहा है और इसे एक जैसा करने की मांग की। इस अंतर की वजह से राज्य को नुकसान होता है। मुख्यमंत्री ने केंद्र से हाल ही में हुई ओलावृष्टि से हुए फसल नुकसान का आकलन करने और किसानों को मुआवजा देने के लिए एक टीम भेजने की भी मांग की।

अतिका मीर एफआईए इंटरनेशनल कार्ट महिला रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची

लोनाटो (इटली)। भारतीय रेसिंग की युवा सनसनी अतिका मीर एफआईए इंटरनेशनल कार्ट रैंकिंग (आईकेआर) में महिला वर्ग में अपनी श्रेणी में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। अतिका मोटरस्पोर्ट की विश्व संस्था एफआईए की विश्व रैंकिंग में महिला रेसर में पहले स्थान पर हैं। यह 11 वर्षीय खिलाड़ी इंटरनेशनल ओके-एनजे वर्ग (12-14 वर्ष आयु वर्ग) में पुरुष और महिला दोनों वर्ग को मिलाकर कुल सातवें स्थान पर है। इस श्रेणी की रैंकिंग में स्विट्जरलैंड के ज़ोल्टन कोइग्नी शीर्ष पर हैं। अतिका के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें 2026 की शुरुआत में मिनी वर्ग (8-12) से जूनियर वर्ग (12-14 वर्ष की आयु) में शामिल कर दिया गया था। वह पिछले महीने वालेंसिया में चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर एकेडमी (सीओटीएफए) सीरीज के पहले दौर में पोडियम पर पहुंची थी। अतिका का लक्ष्य फॉर्मूला वन में जगह बनाना है। किसी भी महिला रेसर ने 1992 के बाद फॉर्मूला वन में भाग नहीं लिया है।

अपने गढ में आरसीबी के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेगी मुंबई इंडियंस

एजेंसी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग में अपने अभियान की धीमी शुरूआत के बाद मुंबई इंडियंस रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से खेलेगी तो उसका लक्ष्य अपने गढ में जीत की राह पर लौटने का होगा। तेरह सत्र में पहली बार मुंबई ने आईपीएल में जीत के साथ शुरूआत करते हुए दो सप्ताह पहले यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराया।

पांच बार की चैम्पियन टीम हालांकि उसके बाद लय कायम नहीं रख सके और दूसरे मैदान पर दोनों मैच बड़े अंतर से हारने के बाद अब खराब रन रेट (माइनस 0 . 715) के साथ आठवें स्थान पर है। रोहित शर्मा को कुछ समय के लिये आरेंज कैप भी मिली लेकिन बल्लेबाजी मुंबई की चिंता का सबब है और आरसीबी जैसे दमदार प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक ईकाई के रूप में उसे अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। मैच टाइम कम रहने के बावजूद रोहित ने अब तक मुंबई के लिये सर्वाधिक रन बनाये हैं लेकिन मध्यक्रम में तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव नहीं चल पा रहे। सूर्यकुमार ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया लेकिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अगले मैच में नाकाम रहे। कप्तान हार्दिक पंड्या का बल्ला अभी तक चला नहीं है। गुवाहाटी में बल्लेबाजों की मददगार पिच पर मुंबई के बल्लेबाज लय को तरसते रहे जबकि रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने आक्रामक पारियां खेली। जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज गेंदबाज की भी उन्होंने धुनाई कर दी और पावरप्ले के 3 . 2 ओवर में ही 59 रन जोड़ दिये। मुंबई के पास एक और विकल्प बायें हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनेर को लाने का है जबकि इंग्लैंड के हरफनमौला विल जैक्स अभी पहुंचे नहीं हैं। मुंबई को बखूबी पता है कि पिछला मैच हारने के बाद आरसीबी वापसी की पूरी कोशिश करेगी। सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल की बेहतरीन पारियों के दम पर रॉयल्स ने उसे छह विकेट से हराया है। बल्लेबाजों की मददगार पिच पर आरसीबी के पास कई बेहतरीन बल्लेबाज हैं। कप्तान रजत पाटीदार (142) , विराट कोहली (129) और देवदत्त पडिक्कल (125) ने अच्छी पारियां खेली है जबकि टिम डेविड (99), रोमारियो शेफर्ड और वेंकटेश अय्यर फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं। जोश हेजलवुड की वापसी से गेंदबाजी मजबूत हुई है जो भुवनेश्वर कुमार के साथ नयी गेंद संभालेंगे।

भाटिया कट से चूके, राय संयुक्त 32वें स्थान पर

एजेंसी

आगस्टा। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया दूसरे दौर के आखिर में डबल बोगी करने के कारण मास्टर्स टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने से चूक गए। पीजीए टूर में तीन बार विजेता रह चुके 24 वर्षीय भाटिया ने पहले दौर में 73 का स्कोर बनाया था लेकिन दूसरे दौर में उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा। उन्होंने 77 का कार्ड खेला और इस तरह से दो शॉट से कट से चूक गए। भारतीय मूल के ब्रिटिश खिलाड़ी आरोन राय ने दूसरे दौर में 74 का कार्ड खेला लेकिन इसके बावजूद वह कट में जगह बनाने में सफल रहे। उन्होंने पहले दौर में 71 का स्कोर बनाया था। वह अब एक ओवर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 32वें स्थान पर हैं। वह पहले दौर के बाद संयुक्त 10वें स्थान पर थे।

अल्काराज और सिनर सेमीफाइनल में

एजेंसी

मोंटे-कार्लो। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और नंबर दो खिलाड़ी जानिक सिनर मोंटे-कार्लो मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुँच गए हैं। अल्काराज ने शुक्रवार को अलेक्जेंडर बुब्लिक को 6-3, 6-0 से हराकर लगातार दूसरे साल इस टूर्नामेंट के सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई। स्पेनिश खिलाड़ी को मार्च में मियामी में सेबेस्टियन कोर्डा के हाथों तीसरे दौर में निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस हफ़्ते मोनाको में क्ले कोर्ट पर वापसी करते हुए वह काफ़ी सहज दिखे। अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज़ और टॉमस मार्टिन एचेवेरी को हराने के बाद, अल्काराज़ ने आठवीं वरीयता प्राप्त बुब्लिक के ख़िलाफ़ अपनी परीक्षा पास कर ली; बुब्लिक पहली बार इस स्पेनिश खिलाड़ी का सामना कर रहे थे। फ़ुटबॉल जगत के दिग्गज पाओलो डि कैनियो की मौजूदगी में खेले गए एक रोमांचक शुरुआती सेट में, अल्काराज ने बुब्लिक की विविधताओं और गेंद पर उनकी पकड़ का बखूबी सामना किया, और कई बार 'चूहे-बिल्ली' जैसे रोमांचक खेल में 28 वर्षीय बुब्लिक को अपनी चालों से मात दी। नंबर 1 खिलाड़ी ने इसके बाद कोर्ट रेनियर ऋऋऋपर दूसरे सेट में ज़बरदस्त खेल दिखाते हुए अपनी 300वीं टूर-स्तरीय जीत हासिल की। अल्काराज अब मोंटे-कार्लो में अपने खिताब को सफलतापूर्वक बचाने से बस दो जीत दूर हैं; पिछले साल चैंपियनशिप मैच में लोरेंजो मुसेटी को हराकर उन्होंने पहली बार क्ले-कोर्ट एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में जीत हासिल की थी। 22 वर्षीय अल्काराज़ का अगला मुकाबला शनिवार को सेमी-फ़ाइनल में मोनेगास्क स्टार वैलेंटीन वैचेरोट से होगा। वैचेरोट ने मोंटे-कार्लो मास्टर्स में अपना ऐतिहासिक सफर जारी रखा, जहां वह प्रिंसिपिलिटी में सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले मोनेगास्क खिलाड़ी बने। कोर्ट रेनियर ऋऋऋपर शोर मचाती भीड़ के समर्थन से, वैचेरोट ने पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर को 6-4, 3-6, 6-3 से हराया और अपनी चौथी शीर्ष 10 जीत हासिल की। इस बीच नंबर दो जानिक सिनर ने फ़ेलिक्स ऑगर-एलियासिम को आसानी से हराकर अपने 2026 सीज़न में एक और एटीपी मास्टर्स 1000 का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। एटीपी रैंकिंग में दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने ऑगर-एलियासिम को 6-3, 6-4 से हराकर अलेक्जेंडर ज़्वेरेव के साथ अंतिम चार में मुकाबले की तैयारी कर ली है। इस इटैलियन खिलाड़ी ने मोनाको में चौथे दौर में टॉमस माचाक के ख़िलाफ़ एक सेट हारने से पहले, मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में लगातार सेट जीतने का अपना रिकॉर्ड 37 तक पहुँचा दिया था; अब उन्होंने इस स्तर पर लगातार 20 मैच जीत लिए हैं। 'बिग थ्री' ऽ रोजर फ़ेडरर, राफ़ेल नडाल और नोवाक जोकोविच ऽ ही एकमात्र ऐसे अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस टूर्नामेंट के इतिहास में (1990 के बाद से) लगातार इतने मैच जीतने का आँकड़ा छुआ है।

वेदांता एल्युमिनियम पार्क में विनिर्माण संयंत्र लगाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। वेदांता एल्युमिनियम ने ओडिशा के झारसुगुडा में प्रस्तावित वेदांता एल्युमिनियम पार्क में अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए शुक्रवार को दो कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एमओयू पर सिंघल स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड और एससीओटी-एएल मेटकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर ओडिशा के उद्योग मंत्री संपद चंद्र स्वैन और अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग) हेमंत शर्मा मौजूद थे। वेदांता एल्युमिनियम ने एक बयान में कहा कि झारसुगुडा में वेदांता एल्युमिनियम पार्क की स्थापना का मकसद मूल्यवर्धन को बढ़ावा देना और एमएसएमई की वृद्धि को समर्थन देने के साथ ओडिशा की वैश्विक एल्युमिनियम केन्द्र के तौर पर उपस्थिति को मजबूत करना है। इस पहल से 500 करोड़ रुपये से अधिक के नए निवेश आने और लगभग 1,500 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोज़गार के मौके बनने की उम्मीद है। इस अवसर पर स्वैन ने कहा, ''यह पहल ओडिशा की एक अग्रणी औद्योगिक गंतव्य के तौर पर उपस्थिति को मजबूत करती है। वेदांता एल्युमीनियम पार्क निवेश में तेज़ी लाएगा, बड़े पैमाने पर रोज़गार पैदा करेगा और सभी क्षेत्रों में राज्य की विनिर्माण क्षमता को मज़बूत करेगा। वेदांता एल्युमीनियम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजीव कुमार ने कहा कि प्रस्तावित पार्क कंपनी के प्राथमिक उत्पादन से आगे बढ़कर मूल्यवर्धित विनिर्माण की ओर बढ़ने के प्रतिबद्धता को दिखाता है।

शोध, नवोन्मेष के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी महत्वपूर्ण: जितेंद्र

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शोध और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र से अधिक भागीदारी का आह्वान किया है। उन्होंने विशेष रूप से उभरते क्षेत्रों और स्टार्टअप की मदद के लिए कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों के जरिये समर्थन देने की जरूरत पर जोर दिया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने बृहस्पतिवार को 'भारत में आरएंडडी करने में सुगमता' और 'भारत में आरएंडडी की सुगमता पर सर्वेक्षण' नामक दो रिपोर्ट जारी की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अनुसंधान बाधाओं से मुक्त वातावरण में ही फलता-फूलता है। उन्होंने भारत के मजबूत मानव संसाधन आधार के बारे में भी बताया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार ये रिपोर्ट तैयार करने में देश भर के 400 से अधिक संस्थाओं के प्रमुख और 850 से अधिक प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं के सुझावों को शामिल किया गया है। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद ने कहा कि अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) की सुगमता में सुधार एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह अध्ययन एक गतिशील दस्तावेज के रूप में काम करेगा। नीति आयोग के वाइस चेयरमैन सुमन बेरी ने कहा कि अनुसंधान को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में बदलना एक प्रमुख प्राथमिकता है।

बिजली कंपनियों ने नियमों में राहत के लिए एचईआरसी का रुख किया

एजेंसी

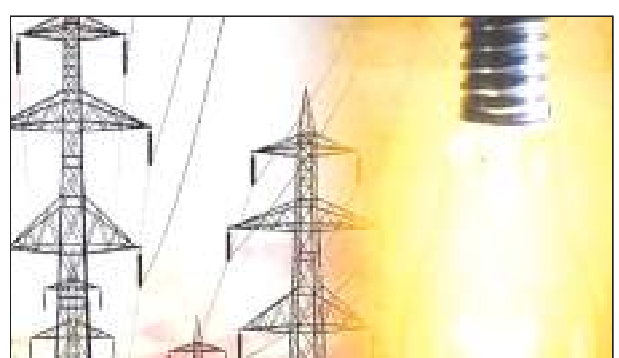

चंडीगढ़। हरियाणा की बिजली वितरण कंपनियों ने ईंधन अधिभार की वसूली से जुड़े नियमों में राहत देने की मांग करते हुए हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) का रुख किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बहु-वर्ष शुल्क (एमवाईटी) विनियम, 2024 के विनियमन 68 में संशोधन की मांग करते हुए याचिकाएं दायर की हैं। मौजूदा नियमों के अनुसार, ईंधन और बिजली खरीद की अतिरिक्त लागत हर महीने उपभोक्ताओं से ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) के जरिए वसूली जाती है। बिजली कंपनियों ने प्रस्ताव दिया है कि इस मासिक वसूली को फिलहाल टाल दिया जाए और इसकी जगह यह राशि अगले वित्त वर्षों में सभी उपभोक्ताओं से एक समान दर 47 पैसे प्रति यूनिट से वसूली जाए। कंपनियों ने यह भी मांग की है कि बकाया राशि की वसूली सुनिश्चित करने के लिए 'कैरींग कॉस्ट' (ब्याज जैसी अतिरिक्त लागत) को भी शामिल करने की अनुमति दी जाए। आयोग ने इस पर तुरंत कोई फैसला नहीं लिया है और पहले जन परामर्श प्रक्रिया अपनाने का निर्णय किया है। एचईआरसी ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर सभी संबंधित पक्षों से आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं। व्यक्ति और संस्थाएं एक मई तक अपनी राय दे सकते हैं। इस मामले पर 14 मई को पूर्वाह्न 11:30 बजे पंचकूला स्थित आयोग के 'कोर्टरूम' में सार्वजनिक सुनवाई होगी।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

नियम-कानून से नहीं चल रहा विपक्ष, संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना गलत : केशव मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

आज़मगढ़। कप्तानगंज क्षेत्र के बड़सरा खालसा गांव में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा एमएलसी विजय बहादुर पाठक के आवास पहुंचकर उनके पिता स्व. राधेश्याम पाठक को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बड़सरा खालसा स्थित भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व एमएलसी विजय बहादुर पाठक के आवास पहुंचे, जहां उन्होंने उनके पिता स्वर्गीय राधेश्याम पाठक को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मतदाता सूची (एसआईआर) के मुद्दे पर सपा द्वारा उठाए जा रहे सवालों को अनर्गल बताते हुए कहा कि विपक्ष नियम-कानून से नहीं चल रहा है। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची में केवल उन्हीं लोगों के नाम हटाए गए हैं, जो मृतक हैं या स्थानांतरित हो चुके हैं, साथ ही कुछ घुसपैठियों के नाम भी सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का नाम छूट गया है तो उसके लिए फॉर्म-6 की सुविधा उपलब्ध है, जबकि संशोधन और विलोपन के लिए फॉर्म-7 और 8 भी भरे जा सकते हैं। इसके बावजूद समाजवादी पार्टी संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़ा कर रही है और अपने समर्थकों को फॉर्म भरवाने के लिए प्रेरित नहीं कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक मजबूत संगठन वाली पार्टी है, जो बूथ स्तर तक सक्रिय है। जिन क्षेत्रों में भाजपा समर्थकों के नाम सूची से कटे हैं, वहां पार्टी कार्यकर्ता उन्हें पुनः जुड़वाने का कार्य करेंगे। धुरंधर पोस्टर विवाद पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी जैसे बड़े अपराधियों को किसने संरक्षण दिया, यह सभी जानते हैं। महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला आरक्षण लागू किया गया, जिससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा। साथ ही 'लखपति दीदी' जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि वहां भी भाजपा का कमल खिलने जा रहा है। वहीं ओम प्रकाश राजभर द्वारा निषाद पार्टी की सीट मांगने के सवाल पर उन्होंने इसे गठबंधन का विषय बताते हुए कहा कि चुनाव के समय इस पर निर्णय लिया जाएगा।

स्थापना दिवस के बहाने 2027 की रणभेरी से पहले भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, साफ छवि और जमीनी पकड़ वाले नेताओं की बढ़ेगी अहमियत

मीरजापुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस के बहाने सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। कार्यकर्ता 2027 की रणभेरी से पहले शक्ति प्रदर्शन में जुट गए हैं। घर-घर जनसंपर्क, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता से सीधा संवाद यह साफ संकेत दे रहा है कि पार्टी अब पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुकी है। खास बात यह है कि इस बार संगठन के भीतर पुराने, अनुभवी और साफ-सुथरी छवि वाले नेताओं पर दांव लगाने की चर्चा तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए ऐसे चेहरों को आगे बढ़ाने की रणनीति बनती दिख रही है, जिनकी जमीनी पकड़ मजबूत हो और जनता के बीच विश्वसनीयता कायम हो। यही वजह है कि नगर की सियासत में अब नए समीकरण बनने लगे हैं और मजबूत दावेदारों की भूमिका केंद्र में आ गई है। समय के साथ राजनीति के चेहरे बदलते हैं, लेकिन कुछ नाम ऐसे होते हैं जो अपनी निरंतर सक्रियता, संगठन के प्रति निष्ठा और जनता के बीच मजबूत पकड़ के दम पर हर दौर में प्रासंगिक बने रहते हैं। विधानसभा चुनाव 2027 की आहट के बीच नगर विधानसभा क्षेत्र में ऐसा ही एक नाम फिर से मजबूती के साथ उभर रहा है मनोज जायसवाल। हालांकि मौजूदा विधायक रत्नाकर मिश्र भी अपनी सक्रियता बनाए हुए हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा मीरजापुर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मीरजापुर और काशी क्षेत्र भाजपा के पूर्व मंत्री रह चुके मनोज जायसवाल कोई नया चेहरा नहीं हैं। वे पार्टी के पुराने, जमीन से जुड़े और संगठन के भरोसेमंद कार्यकर्ता माने जाते हैं। उनकी साफ-सुथरी छवि और वर्षों की राजनीतिक सक्रियता उन्हें नगर विधानसभा सीट पर सबसे मजबूत दावेदारों में शामिल कर रही है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर जागरूकता अभियान 12 से, जनसंपर्क से बढ़ेगी भागीदारी : प्रकाश पाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा 12 अप्रैल से विशेष अभियान शुरू करने जा रही है। इस अभियान के तहत व्यापक जनसंपर्क कर महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। क्षेत्र के सभी जिलों, लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर अधिनियम की जानकारी दी जाएगी। पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर संपर्क कर जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने का लक्ष्य लेकर यह अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। यह बातें शनिवार को भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कही। भारतीय जनता पार्टी कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र द्वारा 12 से 20 अप्रैल तक चलाए जाने वाले इस अभियान की रूपरेखा क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक में तय की गई। इसमें बताया गया कि क्षेत्र के 17 जिलों, 10 लोकसभा क्षेत्रों और 52 विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क के माध्यम से अधिनियम की जानकारी पहुंचाई जाएगी। अभियान के तहत टाउन हॉल सम्मेलन, नारी शक्ति पदयात्रा, लेखन अभियान, दीवार लेखन, सिग्नेचर कैंपेन और मिस्ड कॉल अभियान समेत कुल 14 प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही स्कूटी-बाइक रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कला प्रदर्शनी और सोशल मीडिया के माध्यम से भी अभियान को गति दी जाएगी, जिससे अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। अभियान के संचालन के लिए क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं महिला आयोग सदस्य अनीता गुप्ता को प्रमुख जिम्मेदारी दी गई है। उनके साथ कई पदाधिकारियों की टीम गठित कर उन्हें अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं। सभी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया है कि स्थानीय निकायों और सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर अभियान को सफल बनाया जाए।

रेलवे ने अर्धकुंभ मेला अधिकारी का नया पद किया सृजित, आईआरटीएस चेतन तनेजा को सौंपी जिम्मेदारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2027 में मुरादाबाद रेल मंडल के हरिद्वार में अर्धकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। इस विशेष आयोजन के लिए रेलवे दारा अर्धकुंभ मेला अधिकारी का नया पद सृजित किया गया है। मेला अधिकारी के पद पर आईआरटीएस चेतन तनेजा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। चेतन मुरादाबाद रेल मंडल में सीनियर डीओएम (जी) के पद पर तैनात है। चेतन को अर्धकुंभ के लिए हरिद्वार स्टेशन पर होने वाले विकास कार्यों की मॉनिटरिंग और मेले के दौरान यात्री सुविधाओं से जुड़े तमाम बिंदु उन्हें देखने होंगे। हरिद्वार अर्धकुंभ 2027 का आयोजन 14 जनवरी (मकर संक्रांति) से 20 अप्रैल 2027 (चैत्र पूर्णिमा) तक किया जाएगा। लगभग साढ़े तीन माह चलने वाले इस भव्य आयोजन में 10 प्रमुख स्नान होंगे। उत्तराखंड सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें भीड़ प्रबंधन के लिए 10 रेलवे स्टेशनों का अपग्रेडेशन और 10,000 की क्षमता वाला होल्डिंग एरिया शामिल है। इसमें शाही स्नान (अमृत स्नान) मकर संक्रांति (14 जनवरी), महाशिवरात्रि (6 मार्च), सोमवती अमावस्या (8 मार्च), और बैसाखी/मेष संक्रांति (14 अप्रैल) प्रमुख शाही स्नान के रूप में चिन्हित हैं।

योग का प्रशिक्षण ले रही बालिकाओं ने जानी साइबर क्राइम सुरक्षा के उपाय

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में गंगा आरोग्य धाम प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग केंद्र में बढ़ते साइबर क्राइम के विषय में शनिवार को जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें छात्राओं को योग के साथ-साथ साइबर क्राइम से बचने के लिए जागरूक किया गया। कार्यशाला में थाना साइबर क्राइम की ओर से एसआई अनीता कुमारी व कांस्टेबल नेहा चौधरी ने योग का प्रशिक्षण ले रही बालिकाओं को साइबर क्राइम से बचने के लिए जागरूक किया। साथ ही हेल्पलाइन नंबर का प्रयोग कब करें, नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन, चाइल्डलाइन, एंबुलेंस सेवा सभी को किन-किन प्रॉब्लम में किस प्रकार उपयोग करना है और खुद को कैसे सुरक्षित रख सकती हैं, उसके विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

महात्मा ज्योतिबा फुले का जीवन सामाजिक परिवर्तन, शिक्षा के प्रसार और समानता के मूल्यों का प्रेरक उदाहरण : प्रो. प्रमोद कुमार यादव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार को कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि महात्मा फुले का जीवन सामाजिक परिवर्तन, शिक्षा के प्रसार और समानता के मूल्यों का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को शिक्षा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया, जो आज भी मार्गदर्शक है। प्रो. यादव ने कहा कि फुले जी ने शिक्षा को समाज के कल्याण की कुंजी माना और महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर बालिकाओं के लिए विद्यालय स्थापित कर उस समय की सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती दी। यह प्रयास न केवल साहस का प्रतीक था, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल भी था। इस अवसर पर जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. सुनील कुमार ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा को केवल व्यक्तिगत उन्नति का साधन न मानते हुए सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने, शिक्षा का प्रसार करने और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। साथ ही समतामूलक, शिक्षित और जागरूक समाज के निर्माण करने के लिए महात्मा फुले के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने पर बल दिया गया। उपस्थित सभी गणमान्य लोगों ने महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. धीरेंद्र चौधरी, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. रामांशु प्रभाकर सिंह, डॉ. दीपक मौर्य सहित अन्य प्राध्यापक, अधिकारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

बच्चे के लिए बिस्किट मांगने की बात पर ससुरालियों ने बहु को पीटा, पति, सास और ननद पर मुकदमा दर्ज

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद में मानवता को शर्मशार करने का मामला सामने आया है, जहां भूख से रो रहे बच्चे के लिए बिस्किट मंगाना उसकी मां को महंगा पड़ गया। बिस्किट मंगाने से भड़की सास ने बेटे और बेटी के साथ मिलकर बहू की बेरहमी से पिटाई कर दी। प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने महोबा थाना पुलिस में प्रताड़ना को लेकर पति, सास व ननद पर जान से मारने की धमकी देने का शनिवार को आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कबरई कस्बा के मुहाल गांधीनगर निवासी ज्योति रैकवार ने बताया कि पति सुरेश कुमार, सास पार्वती व ननद रक्षा आए दिन उसे गालियां देकर प्रताड़ित करते हैं। विरोध करने पर घर से निकालने की धमकी देते हैं। आठ अप्रैल की शाम करीब सात बजे बच्चा भूख से रो रहा था, तो उसने पति से बिस्किट लाने को कह दिया। इसी बात लेकर ससुरालीजन भड़क गए और तीनों ने उसे डंडों से पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में उसे गंभीर चोटें आईं हैं। पीड़िता ने आरोप लगाते हुए कहा कि ससुरालियों द्वारा उसे मायके से खर्चा लाने के लिए प्रताड़ित किया जाता है। पीड़िता ने कहा कि इन लोगों के अनुसार यदि ससुराल में रहना है तो माता पिता से खर्चा लाना होगा। ऐसा नहीं किया तो घर में रहने नहीं दिया जाएगा। प्रताड़ना से परेशान हो महिला ने पुलिस को सूचना दे न्याय की गुहार लगाई है।

सीएसए में 'लिटिल फन फिएस्टा' के तहत रचनात्मकता को दिया गया बढ़ावा

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) ने छोटे बच्चों को शैक्षणिक गतिविधियों की ओर आकर्षित करने के लिए एक नई पहल की है। इस पहल को 'लिटिल फन फिएस्टा' नाम दिया गया है जिसके तहत सीनियर छात्र नन्हे बच्चों को खेल—खेल में रचनात्मकता को बढ़ावा दे रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को स्नातक के छठे सेमेस्टर के छात्रों ने नन्हे बच्चों को नई—नई चीजें सिखाया। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में ल्लिटिल फन फिएस्टाङ्क प्रदर्शनी का आयोजन स्नातक छठे सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा किया गया।

जननायक चंद्रशेखर : व्यक्तित्व, विचार और संस्मरणों की जीवंत धारा

सौवें जन्मदिवस पर विशेष

सूर्य कुमार, ट्रस्टी भारत यात्रा ट्रस्ट

जननायक चंद्रशेखर केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की उस परंपरा के प्रतिनिधि थे जिसमें विचार, साहस, नैतिकता और जनसरोकार एक साथ चलते हैं। उनके जन्मशती वर्ष के अवसर पर देशभर में जिस प्रकार उनकी स्मृतियों, विचारों और योगदानों का पुनर्स्मरण हो रहा है, वह इस बात का प्रमाण है कि वे आज भी भारतीय राजनीति और समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं जितने अपने समय में थे।

चंद्रशेखर जी की विशिष्ट राजनीतिक शैली और उसके आधार पर निर्मित उनके व्यक्तित्व को आज अनेक संवेदनशील लेखक अपनी-अपनी लेखन शैली में नई पीढ़ी तक पहुँचा रहे हैं। यह कार्य केवल स्मरण नहीं, बल्कि एक वैचारिक पुनर्स्थापन है—जो वर्तमान समय की एक बड़ी आवश्यकता भी है। बीते दो दशकों से अधिक समय से उनके सशरीर अभाव के बावजूद, उनके जन्मशती वर्ष की अनुगूंज जिस प्रकार पूरे राष्ट्र में गूंज रही है, वह किसी भी व्यक्ति को आश्चर्यचकित कर सकती है।

डॉ. राममनोहर लोहिया का प्रसिद्ध कथन—याद करेंगे लोग मुझे, पर मेरे मरने के बाद—

आज पूर्णतः चरितार्थ होता प्रतीत होता है। देश की विभिन्न संस्थाएँ, राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन और बुद्धिजीवी वर्ग चंद्रशेखर जी के जन्मशती समारोह को लेकर जिस उत्साह से आगे बढ़ रहे हैं, वह उनके व्यापक प्रभाव और स्वीकार्यता का प्रमाण है। यह भी संभव है कि कार्यक्रमों के आयोजन और उनके क्रियान्वयन में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखने को मिले—जो किसी भी महान व्यक्तित्व के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि का ही रूप है।

महानता का मापदंड

किसी भी व्यक्ति की महानता का आकलन केवल उसके जीवनकाल में नहीं होता। वास्तविक मूल्यांकन तब होता है जब उसके विरोधी भी उसके गुणों को स्वीकार करने लगें, जब उसके विचार समय की कसौटी पर खरे उतरें, और जब उसकी अनुपस्थिति में उसके महत्व का अहसास और अधिक गहरा हो जाए। चंद्रशेखर जी के साथ यही हुआ।

वे ऐसे नेता थे जिनकी प्रासंगिकता केवल समर्थकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि विरोधियों ने भी समय के साथ उनके दृष्टिकोण और साहस का सम्मान किया। यह किसी भी लोकतांत्रिक नेता के लिए सर्वोच्च उपलब्धि मानी जा सकती है।

व्यक्तित्व का निर्माण : सिद्धांत और साहस

चंद्रशेखर जी का जीवन उनके सिद्धांतों, नैतिक मूल्यों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण था। वे कहा करते थे—

राजनीति संभावनाओं का खेल है, बच्चों के मनोरंजन का कोई साधन नहीं। यह हर क्षण कठोर निर्णय लेने का आमंत्रण देती है।

उनके इन्हीं कठोर और साहसिक निर्णयों ने उनके क्रांतिकारी व्यक्तित्व को गढ़ा। उनमें व्यक्तिगत लालसा और सत्ता-लिप्सा का पूर्ण अभाव था। यही कारण था कि वे राजनीति के कठिन और कंटों भरे रास्ते पर चलते हुए भी अपनी पहचान बनाए रख सके।

उनका सांसद से सीधे प्रधानमंत्री पद तक पहुँचना भारतीय राजनीति का एक अनोखा अध्याय है। यह केवल संयोग नहीं था, बल्कि उनके धैर्य, दूरदृष्टि और परिस्थितियों की प्रतीक्षा करने की क्षमता का परिणाम था। वे जानते थे कि सही समय का इंतजार भी संघर्ष का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। जिसमे राजनीतिक परिस्थितियों का बड़ा योगदान भी रहा है द्य

सत्ता से अधिक सिद्धांत

चंद्रशेखर जी षड्यंत्रों के शिकार भी हुए, लेकिन उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद को त्याग कर उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि उनके लिए सत्ता नहीं, बल्कि मूल्य अधिक महत्वपूर्ण थे। यही कारण है कि समय के साथ उनका राजनीतिक कद और भी ऊँचा होता गया।

संस्मरण : कुछ जीवंत झलकियाँ

1. पहला जन्मोत्सव : एक ऐतिहासिक निर्धारण

भारत पदयात्रा के दौरान कर्नाटक में साथियों के मन में यह विचार आया कि चंद्रशेखर जी का जन्मदिन मनाया जाए। जब यह प्रस्ताव उनके सामने रखा गया, तो उन्होंने सहजता से कहा कि पहले यह तय हो जाए कि उनका वास्तविक जन्मदिन कौन-सा है।

दस्तावेजों में उनकी जन्मतिथि जुलाई में दर्ज थी, जबकि उनकी माता के अनुसार उनका जन्म ज्येष्ठ मास की हनुमान जयंती को हुआ था। बाद में ज्योतिषीय गणना के आधार पर 17 अप्रैल 1927 को उनकी जन्मतिथि निर्धारित की गई—जो हनुमान जयंती के दिन ही थी। यह ज्योतिषीय गणना तमिलनाडु के सुप्रसिद्ध ज्योतिषी द्वारा तय की गयी थी द्य

इसके बाद कर्नाटक के एतिवेलय (बेंगलुरु ग्रामीण) में उनका जन्मदिन बड़े उत्साह से मनाया गया। यही परंपरा आगे चलकर भोंडसी (हरियाणा) स्थित भारत यात्रा केंद्र में वार्षिकोत्सव के रूप में स्थापित हुई।

उनके निधन (8 जुलाई 2007) के बाद भी यह परंपरा जारी रही—पहले राजघाट स्थित 'जननायक स्थल' पर श्रद्धांजलि, फिर भोंडसी में स्मरण और संकल्प का सिलसिला चलता रहा है।

2. कांग्रेस में जाने की चर्चा : विचारों की दृढ़ता। एक समय यह चर्चा जोर पकड़ने लगी कि चंद्रशेखर जी कांग्रेस में शामिल होकर उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते हैं। कई वरिष्ठ नेता इस संभावना को लेकर उत्साहित थे।

एक दिन अवसर पाकर मैंने उनसे सीधे प्रश्न किया—क्या हम सब कांग्रेसी होने जा रहे हैं?

उन्होंने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया—

क्या तुम्हें यह संभव लगता है? मेरी कांग्रेस की आर्थिक नीतियों से इतना मतभेद होने के बावजूद यह कैसे हो सकता है? अंततः मुझे जनता को जवाब भी तो देना होगा।

यह उत्तर केवल एक प्रतिक्रिया नहीं था, बल्कि उनके वैचारिक दृढ़ता का स्पष्ट संकेत था।

3. धार्मिक आस्था पर उनका दृष्टिकोण

धर्मस्थलों पर उनकी आस्था को लेकर जब मैंने जिज्ञासा प्रकट की, तो उन्होंने अत्यंत संतुलित उत्तर दिया—

मेरी व्यक्तिगत आस्था चाहे जो हो, लेकिन करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान करना मेरा कर्तव्य है। मैं इतना बड़ा क्रांतिकारी नहीं हूँ कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुँचाने का अधिकार अपने आप को दे दूँ।

यह कथन उनके व्यापक दृष्टिकोण और सामाजिक संवेदनशीलता को प्रदर्शित करता है।

4. एक अनकहा रहस्य : विनम्रता की पराकाष्ठा

वी.पी. सिंह के नेता चुने जाने के बाद, बीबीसी के पत्रकारों से हुई एक बातचीत में चौधरी देवीलाल के कथन का उल्लेख हुआ कि उन्होंने त्याग नहीं, बल्कि देश के एक बड़े नेता के साथ धोखा किया है।

इस पर चंद्रशेखर जी ने पत्रकार श्री शतीश जैकब और श्री मार्क टुली से अनुरोध किया कि इसे प्रसारित न किया जाए। यह बात हमें स्वयं चंद्र शेखर ने सुनाई थी। यह उनकी उदारता और राजनीतिक मर्यादा का अनुपम उदाहरण था।

5. पहला बुलावा और भारत यात्रा

मेरे जैसे एक सामान्य कार्यकर्ता के लिए उनका बुलावा किसी सम्मान से कम नहीं था। यह मुझे हमारे सबसे सम्मानित समाजवादी नेता और चंद्र शेखर जी के मित्र श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने दिया था। इस बुलावे से मै हतप्रभ भी हुआ ओर उत्साहित भी द्य 3 साउथ एवेन्यू स्थित उनके निवास पर पहुंचा द्य सामान्य शिष्टाचार होते ही उन्होंने पूछा—

कन्याकुमारी से पदयात्रा शुरू होने जा रही है, क्या आप मेरे साथ चलेंगे?

मैंने बिना किसी हिचक के स्वीकृति दे दी।और मैं अपने प्रिय मित्र श्री ब्रह्म दत्त गौर के साथ कार्यालय के लिए बने एक सचल बाहन से कन्या कुमारी की ओर चल पड़ा। हमारे साथ श्री धुरेंद्र प्रसाद और ड्राइवर राय जी भी थे।

6 जनवरी 1983 को कन्याकुमारी से शुरू हुई यह ऐतिहासिक भारत यात्रा पाँच महीने बीस दिन बाद राजघाट, दिल्ली में समाप्त हुई। यह यात्रा केवल भौगोलिक नहीं थी, बल्कि देश की आत्मा को समझने का प्रयास थी। समापन पर रामलीला मैदान में आयोजित विशाल सभा में उन्होंने अपने अनुभव जन समूह के साथ साझा किए—जो आज भी प्रेरणा का स्रोत हैंद्य और उसके बाद आगे के कार्यक्रम के लिए भारत यात्रा ट्रस्ट की स्थापना की गई जिसमें आदरणीय एस. एम. जोशी, श्रद्धेय चंद्र शेखर जी,श्री राम कृष्ण हेगड़े, श्री बेनी प्रसाद माधो जी, श्री सुधीन्द्र भदोरिया जी, श्री भाई वैद्य जी, श्री इंदु भाई पटेल जी,श्री बी एल शंकर जी, श्री पी विजय राघवन जी मिस रोजा लिन पंजीकरण जी, श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव जी और मैं स्वयं सूर्य कुमार, तथाश्री अय्यूब खान जी, चंद्र शेखर जी की अध्यक्षता में ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य के रूप में शामिल। चन्द्र शेखर जी के साथ श्री सुधीन्द्र भदोरिया और बेनी प्रसाद माधो जी सेटलर ट्रस्टी थे।और हमने अपना अभियान शुरू किया जो आज तक जारी है। चंद्रशेखर जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का साधन है। उनके विचार, उनके निर्णय और उनके संस्मरण आज भी मार्गदर्शक हैं। उनकी जन्मशती केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है—यह समझने का कि क्या हम उस राजनीति की ओर लौट सकते हैं जिसमें सिद्धांत, साहस और संवेदना का समन्वय हो। जननायक चंद्रशेखर आज भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, उनकी स्मृतियाँ और उनके द्वारा दिखाया गया मार्ग सदैव जीवित रहेगा।